डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-98 | सांध्य दैनिक | मथुरा, गुरुवार, 4 जून 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

तंग गलियों में गेस्ट हाउसों की भरमार

आग लगने पर कैसे बचेगी जान!

शहर के धौलीप्याऊ की तंग गलियों में संचालित गैस्ट हाउस, यहां अग्निशमन के इंतजाम नहीं है।

आग बुझाने की व्यवस्था नहीं, न सुरक्षा के इंतजाम ही हैं पूरे

बालकनी और कॉरिडोर भी तंग, प्रशासन के नोटिस भी बेसअर

यूनिक समय, मथुरा। तंग गलियों के घर अब गेस्ट हाउस बन गए हैं, लेकिन यहां आग बुझाने और आपदा के इंतजाम नहीं हैं। तीन से पांच मंजिला ऐसे गेस्ट हाउसों में मानक तो दर–किनार दिखते हैं, जबकि आग के दौरान किए जाने वाले उपाय भी नगण्य हैं। बालकनी और कॉरिडोर तंग हैं, जिससे आग के दौरान मदद भी पहुंचाना संभव नहीं दिखता है। ऐसे गेस्ट हाउस ओर होटलों को प्रशासन की ओर से दिए गए नोटिस भी शपथ पत्र से आगे नहीं बढ़ सके हैं।

मथुरा– वृंदावन क्षेत्र में पर्यटन बहुत बड़ा है, यहां सैकड़ों होटल, गेस्ट हाउस, धर्मशालाएं और रिसॉर्ट संचालित हैं। इनकी कितनी संख्या है, इसका सही रिकार्ड भी प्रशासन के पास उपलब्ध नहीं है। वर्ष 2023 में लगभग 7.9 करोड़ पर्यटक और 2025 में 10 करोड़ से अधिक पर्यटक– श्रद्धालुओं के आने की बात प्रशासन के सूत्र बताते हैं। ऐसे में यहां सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चुनौतियां भी सामने आई हैं। प्रशासन की जांच में कई होटलों और रेस्टोरेंटों में फायर एनओसी और पर्याप्त अग्नि–सुरक्षा उपकरणों की कमी पाई गई थी। इसी साल वृंदावन के एक होटल में आग लगने की घटना के दौरान फायर ब्रिगेड को लोगों को क्रेन और सीढ़ियों की मदद से बाहर निकालना पड़ा था। इस हादसे की वजह से अग्नि–सुरक्षा के महत्व पर फिर से ध्यान गया। 2022 में वृंदावन के होटल वृंदावन गार्डन में आग की घटना के बाद जांच हुई तो होटल के पास फायर एनओसी नहीं थी, जिस पर अग्निशमन विभाग ने नोटिस जारी किया गया था।

इस साल फरवरी में वृंदावन के सिद्धि विनायक होटल में आग लगने के बाद जिला प्रशासन ने जांच के आदेश दिए। इस दौरान करीब 22 ऐसे होटल–गेस्ट हाउस चिन्हित किए गए, जहां आग बुझाने और अन्य संकट से निपटने के इंतजाम ही नहीं थे।

यह इंतजाम सबसे जरूरी

तंग गलियों में संचालित गेस्ट हाउस और होटलों में मुख्य प्रवेश– निकास, रिसेप्शन, पार्किंग और सार्वजनिक क्षेत्रों में सीसी कैमरे सबसे जरूरी है। फायर एनओसी और नियमित निरीक्षण, फायर एक्सटिंग्विशर, स्मोक डिटेक्टर, फायर अलार्म, स्पष्ट आपातकालीन निकास और निकासी मार्ग। समय–समय पर स्टाफ की फायर ड्रिल और प्रशिक्षण। पर्याप्त रोशनी वाले गलियारे और सीढ़ियां, सुरक्षित विद्युत वायरिंग, स्थानीय निकाय, पुलिस, अग्निशमन विभाग और पर्यटन विभाग के आवश्यक पंजीकरण एवं लाइसेंस,नियमित सुरक्षा ऑडिट।

कल से खोजे जाएंगे अग्निशमन के इंतजाम

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार से अग्निशमन विभाग मथुरा और वृंदावन के होटल और गेस्ट हाउस मे आग से बचाव के इंतजाम खोजने का काम करेगा। आपदा से जुड़े इंतजाम नहीं मिलने पर नोटिस दिए जाएंगे और कार्रवाई होगी। यह जानकारी देते हुए मुख्य अग्निशमन अधिकारी अरूण कुमार सिंह ने बताया कि आज महानिदेशक फायर के निर्देष मिले हैं। अब विभाग कल से इसके लिए अभियान चलाएगा।

इस कारण से लगती है आग

विद्युत शॉर्ट सर्किट, ट्रांसफार्मर या बिजली प्रणाली की खराबी, फायर एनओसी और अग्नि–सुरक्षा अनुपालन में कमी, आपातकालीन निकास और फायर अलार्म की अपर्याप्त व्यवस्था।

अधीनस्थों की गलती पर नहीं बच सकेंगे अफसर

वरिष्ठ अधिकारी भी होंगे जिम्मेदार: हाईकोर्ट

न्यायिक आदेशों की अनदेखी पर जताई नाराजगी

यूनिक समय, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस जांच में लापरवाही और प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा न्यायिक आदेशों की अनदेखी पर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने साफ कहा कि अब समय आ गया है कि वरिष्ठ अधिकारियों को उनके अधीनस्थों की गलतियों और लापरवाही के लिए भी जिम्मेदार ठहराया जाए। न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की एकल पीठ ने एक बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। मामला झांसी की एक नाबालिग लड़की से जुड़ा था, जिसमें पुलिस जांच और कार्रवाई को असंतोषजनक पाया गया।

कोर्ट ने कहा कि कई मामलों में सरकारी अधिकारी न्यायिक आदेशों को टालने की कोशिश करते हैं और केवल अपील का बहाना बनाकर जिम्मेदारी से बचते हैं, जो स्वीकार्य नहीं है। अदालत ने यह भी कहा कि यदि अधीनस्थ अधिकारी लापरवाही करते हैं तो उनके वरिष्ठ अधिकारी भी नैतिक और प्रशासनिक रूप से जवाबदेह होंगे।

हाईकोर्ट ने आदेश की प्रति केंद्र सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को भेजने के निर्देश दिए हैं और कहा है कि भविष्य में पदोन्नति और मूल्यांकन में न्यायिक टिप्पणियों को गंभीरता से शामिल किया जाए।

अग्निकांड को लेकर मुख्यमंत्री गंभीर

यूनिक समय, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली के मालवीय नगर अग्निकांड के बाद राज्य भर में सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी ऊंची इमारतों, दफ्तरों, होटलों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण के साथ अग्निशमन सुरक्षा प्रणालियों को मजबूत बनाने पर जोर दिया है।

ब्रज भाजपा अध्यक्ष पद की दौड़ हुई दिलचस्प

ब्रज क्षेत्र अध्यक्ष पद पर जातीय दावेदारी से मुकाबला कड़ा

अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को रखा जा रहा दिमाग में

आगरा के अलावा अन्य जिलों के कई नेता भी लगे हैं लाइन में

यूनिक समय, मथुरा। कई दावेदारों ने बृज क्षेत्र भाजपा अध्यक्ष पद का मुकाबला रोचक बना दिया है। आगरा से भी तीन प्रभावशाली नेजाओं के पद की दौड़ में शामिल होने से मुकाबला रोचक बनने लगा है, जबकि संगठन के दिमाग में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव हैं।

ऐसे में संगठन इस बार जातीय आधार पर अध्यक्ष पद को उपहार में देने के मूड में है।

इन दिनों भाजपा के संगठनात्मक ढांचे में अहम माने जाने वाले बृज क्षेत्र अध्यक्ष पद को लेकर सरगर्मियां तेज हैं। आगरा के तीन प्रभावशाली नेताओं की दावेदारी ने इस मुकाबले को रोचक बना दिया है।

अब तक प्रदेश संगठन में महामंत्री जैसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहे राम प्रताप सिंह चौहान के भी इस पद के लिए मैदान में उतरने से मुकाबला त्रिकोणीय होता दिखाई दे रहा है। इससे पहले आगरा के प्रमोद गुप्ता और भानु महाजन को इस पद के प्रमुख दावेदारों के रूप में देखा जा रहा था। हालांकि अन्य जिलों के भी वरिष्ठ नेता क्षेत्रीय अध्यक्ष बनने के लिए जोर लगाए हुए हैं।

बृज क्षेत्र भाजपा के अंतर्गत आगरा सहित पश्चिम उत्तर प्रदेश के कई महत्वपूर्ण जिले आते हैं। ऐसे में क्षेत्रीय अध्यक्ष का पद केवल संगठनात्मक जिम्मेदारी तक सीमित नहीं रहता, बल्कि आगामी चुनावी रणनीति, बूथ प्रबंधन, कार्यकर्ताओं के समन्वय और पार्टी के विस्तार में भी इसकी अहम भूमिका होती है। यही कारण है कि इस पद को लेकर पार्टी के भीतर और राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है।

योग्यता बनाम सामाजिक समीकरण

भाजपा में कभी क्षेत्रीय अध्यक्ष जैसे पदों पर संगठनात्मक क्षमता और कार्यकुशलता के आधार पर नियुक्तियां होती थीं। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में सामाजिक और जातीय संतुलन भी निर्णय प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा बना है। पार्टी विभिन्न वर्गों को प्रतिनिधित्व देने की रणनीति के तहत संगठनात्मक नियुक्तियों में सामाजिक समीकरणों का भी विशेष ध्यान रखती रही है। इस बार भी अध्यक्ष का पद जातीय संतुलन के नाम पर किसी को मिल सकता है।

महाविद्या कॉलोनी में दुकानदार को दबंगों ने बेरहमी से पीटा

दूध की दुकान पर हुई घटना दर्ज हो गई सीसी कैमरे में

दुकान में रखे सामान को भी किया तहस नहस कर

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोविंद नगर क्षेत्र में इन दिनों शरारती और दबंग तत्वों के हौसले बुलंद हैं। महाविद्या कॉलोनी स्थित चौराहा पर रात के समय उस वक्त अफरा–तफरी मच गई, जब दूध की दुकान में घुसकर कुछ मनचले और दबंग युवकों ने दुकानदार के साथ जमकर मारपीट करते हुए अभद्रता की। दबंगों ने दुकान में रखे सामान को भी तहस–नहस कर दिया।

महाविद्या कॉलोनी चौराहा पर स्थित दूध की दुकान पर रोज की तरह कामकाज चल रहा था। रात करीब नौ बजे कुछ अज्ञात युवक दुकान पर पहुंचे। दुकानदार का आरोप है कि दुकान पर आते ही ये युवक बिना किसी वजह और पुरानी रंजिश के सीधे अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली–गलौज करने लगे।

जब दुकानदार ने हरकत का विरोध करते हुए उन्हें शांत रहने को कहा, तो आरोपी युवक आग-बबूला हो गए। जबरन दुकान के काउंटर को पार कर अंदर घुस आए और दुकानदार पर

सीसी कैमरे में कैद मारपीट की घटना।

लात–घूंसों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस अचानक हुए हमले से बाजार और आसपास के लोगों में भगदड़ और अफरा–तफरी का माहौल बन गया।

पीड़ित दुकानदार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि हमलावरों ने मारपीट करने के साथ–साथ दुकान में रखे दूध के बर्तनों, काउंटर और अन्य सामान को उठाकर फेंक दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद दबंगों ने दुकानदार को सरेराह जान से मारने की धमकी भी दी। मारपीट के दौरान दुकानदार को शरीर में कई जगह गंभीर चोटें आई हैं और वह लहूलुहान हो गया।

चीख–पुकार सुनकर मौके पर भारी संख्या में स्थानीय लोग और अन्य दुकानदार एकत्रित हो गए। स्थानीय लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए बीच–बचाव किया और पीड़ित को हमलावरों के चंगुल से छुड़ाकर स्थिति को शांत कराया। लोगों की भारी भीड़ जुटती देख सभी आरोपी मौके से भाग खड़े हुए। यह पूरी वारदात दुकान के अंदर और बाहर लगे सीसी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई है।

गोविंद नगर पुलिस का कहना है कि पीड़ित की तरफ से शिकायत दर्ज कर ली गई है। सीसीी फुटेज के आधार पर युवकों के चेहरों और उनकी गाड़ियों की पहचान कराई जा रही है। पुलिस ने व्यापारियों को आश्वासन दिया है कि मामले की गहनता से जांच कर दोषियों के खिलाफ बेहद सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

भूतेश्वर स्टेशन पर ट्रेन से गिरकर महिला घायल

यूनिक समय, मथुरा। भूतेश्वर रेलवे स्टेशन पर गुरुवार को ट्रेन से गिरकर महिला गंभीर घायल हो गई। पुलिस ने महिला को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। महिला का एक एक पैर कट गया है। भूतेश्वर रेलवे पुल के निकट तीसरी लाइन पर एक महिला के घायल पड़े होने की सूचना गुरुवार दोपहर मालगाड़ी के लोको पायलट ने स्टेशन मास्टर को दी। भूतेश्वर स्टेशन मास्टर ने सूचना तुरंत ही कंट्रोल को दी। इससे पूर्व सिविल पुलिस की चेतक मोबाइल मौके पर पहुंच गई। चेतक के सिपाहियों ने महिला को जिला अस्पताल पहुंचाया। महिला की पहचान 55 वर्षीय कौसर पत्नी साबिर, निवासी खारी कुआं, भरतपुर गेट के रूप में हुई। घायल महिला ने पुलिस को बताया कि वह शिमला से पति से मिलकर लौट रही थी। भूतेश्वर के निकट ट्रेन धीमी होने पर वह उतरने का प्रयास करने लगी। जीआरपी के कार्यवाहक थानाध्यक्ष ललित भाटी ने बताया कि महिला के ट्रेन से गिरकर घायल होने की जानकारी किसी ने थाने पर नहीं दी है।

वृंदावन के होटल और गेस्ट हाउसों में चेकिंग

विद्युत सुरक्षा टीम एक्शन में आई

मालवीय नगर अग्निकांड के बाद एक्शन

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। दिल्ली के मालवीय नगर में हुए अग्निकांड के बाद विद्युत अधिकारी एक्शन मोड में आ गया है। विद्युत सुरक्षा विभाग की टीम ने कई होटल, गेस्ट हाऊस में आकस्मिक चेकिंग की। विभाग की सहायक निदेशक निधि जादौन और उपखंड अधिकारी संदीप वार्ष्णेय के निर्देशन में टीम ने प्रेम मंदिर और रमणरेती इलाके में जीएसएम होटल में मानको के अनुरूप संयोजन न मिलने पर नोटिस जारी किए गए हैं। होटल और गेस्टहाउस में आकस्मिक चेकिंग से इलाके के गेस्ट हाउस संचालकों में हड़कंप मच गया। सहायक निदेशक निधि जादौन ने बताया कि वृंदावन मथुरा में बड़ी संख्या में संकरी गलियों में होटल-गेस्टहाउस बना लिये गए है। जिसमें किसी भी आकस्मिक स्थिति में बचाव कार्य शुरू करना काफी मुश्किल भरा हो सकता है।

इसलिए लगातार अभियान चलाकर ऐसे होटल गेस्टहाउस चिन्हित किए जा रहे हैं।

पुलिस ने पॉक्सो मामले के वारंटी को किया गिरफ्तार

यूनिक समय, सुरीर। न्यायालय में चल रहे मुकदमे की तारीख पर गैरहाजिर चल रहे पॉक्सो एक्ट के अभियुक्त के कोर्ट ने गिरफ्तारी के वारंट जारी कर दिए। सुरीर पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर कोर्ट में किया पेश। उपनिरीक्षक अमित कुमार तोमर टीम के साथ क्षेत्र में गश्त और वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रहे थे। पुलिस टीम ने पॉक्सो एक्ट में मुकदमे की कई तारीखों पर हाजिर न होने वाले अभियुक्त बॉबी निवासी विजऊ थाना सुरीर के बारे में जानकारी की। पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने सुलझाई नाले से मिले दिव्यांग के शव की गुत्थी

हत्या करने वाले शातिर को किया गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोविंद नगर क्षेत्र के मसानी नाले से मिले नग्न दिव्यांग शख्स के ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी को पुलिस ने सुलझाते हुए इसका खुलासा कर एक युवक को गिरफ्तार किया है। युवक ने लूट का विरोध करने पर उसकी जान ही नहीं ली,बल्कि उसके कपड़े उतार कर नाले में फैंक दिया।

पुलिस ने सीसी टीवी कैमरों की फुटेज और खबरियों का सहारा लेकर नाले से मिले दिव्यांग युवक की शिनाख्त कराने के बाद कातिल तक पहुंचने की कवायद की। पुलिस ने कातिल नंदकिशोर उर्फ नंदा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को नंदकिशोर उर्फ नंदा ने मर्डर की जो मिस्ट्री बताई उसे सुनकर कोई भी हैरान हो जाएगा। 26 मई को मथुरा के चामुंडा कॉलोनी मोड़ के पास महेश उर्फ लंगडी नाम का शख्स नशे की हालत में था। नंदकिशोर उर्फ नंदा ने लूट के इरादे से उसे झांसा दिया कि वो उसे घर छोड़ देगा। नंदा किसी शातिर अपराधी की तरह महेश को बहला–फुसलाकर पुरानी रेलवे लाइन के पास बने सुनसान नाले पर ले गया। उसने महेश की जेब से पैसे निकाल लिए। विरोध करने पर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद शव की पहचान छिपाने के लिए उसके कपड़े उतार कर नग्न शव को नाले में फैंक दिया। गोविंद नगर इंस्पेक्टर रवि त्यागी,उप निरीक्षक अमित कुमार और अजीत कुमार की टीम ने अभियुक्त को राधापुरम बॉर्डर से गिरफ्तार किया।

तापमान / मौसम

38 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

27 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,53,114

22 कैरेट 1,41,058

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,80,000 प्रति किलो

हंसता आईना

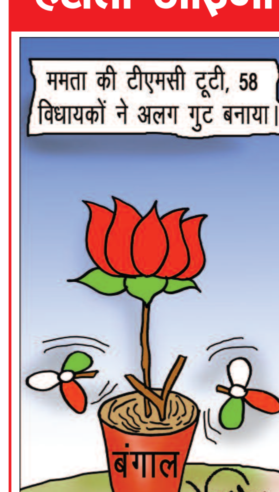

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

फोन नंबर–0565–2420150,
मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

गोवर्धन में पार्किंग शुल्क बना श्रद्धालुओं का दर्द

पार्किंग के नाम पर नगर पंचायत कर रही अवैध वसूली

यूनिक समय, मथुरा। अधिकमास के दौरान गोवर्धन आने वाले श्रद्धालुओं की जेब को नगर पंचायत खाली करने में जुटी है। गोवर्धन अधिकमास मेला 2026 पार्किंग के नाम पर तीन सौ रुपये की रसीद काटी जा रही है। एक बस से लिए जाने वाली इस पार्किंग शुल्क पर लोग प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं, इसे नगर पंचायत की खुली लूट बता रहे हैं। इस मामले में जिम्मेदार अधिकारी तो मोबाइल रिसीब करने से कतराते रहे।

इन दिनों अधिकमास चल रहा है। चौरासी कोस की परिक्रमा के साथ गोवर्धन परिक्रमा लगाने को श्रद्धालु आ रहे हैं। नगर पंचायत बस आदि से गोवर्धन आने वाले श्रद्धालुओं की जेब पार्किंग के नाम पर खाली करने को जुटी है। बसों से पार्किंग के नाम पर तीन सौ रुपये वसूले जा रहे हैं। इस वसूली को लेकर श्रद्धालु विरोध भी करते हैं, लेकिन परदेश होने की वजह से शांत हो जाते हैं।

बस पार्किंग के नाम पर काटी गई तीन सौ रुपये की रसीद।

एक बस से शुल्क के एवज में लिए जा रहे हैं तीन सौ रुपये

इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रही बस को दी गई रसीद

पार्किंग के नाम पर बस से तीन सौ रुपये वसूलने की एक रसीद इन दिनों इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रही है। रसीन नंबर 5191 पर किसी कृष्णा का नाम लिखा है, तीन जून को काटी गई इस रसीद पर कार्यालय नगर पंचायत गोवर्धन भी दर्ज है। इस मामले में बात करने को एसडीएम गोवर्धन का दो बार सीयूजी नंबर मिलाया, लेकिन रिसीब नहीं किया। कुछ ऐसा ही हाल नगर पंचायत के ईओ का सामने आया।

आम जन की जनसमस्याओं को लेकर कांग्रेसियों ने दिया ज्ञापन

महानगर अध्यक्ष के नेतृत्व में डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन करते कांग्रेसी कार्यकर्ता।

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में बढ़ती मंहगाई और अन्य जन समस्याओं को लेकर कांग्रेस कमेटी के महानगर अध्यक्ष के नेतृत्व में डीएम के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा गया।

महानगर कांग्रेस अध्यक्ष रविंद्र मुकदम के नेतृत्व में बड़ी संख्या कांग्रेस कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पर पहुंचे। सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि जनपद की जनता वर्तमान में अनेक गंभीर समस्याओं से जूझ रही है। आम नागरिक, किसान, व्यापारी विद्यार्थी और बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को भारी परेशानी हो रही है। डीएम के माध्यम से

बढ़ती मंहगाई, यातायात और बिजली समस्या समेत उठाए कई मुद्दे

राज्यपाल को ज्ञापन देकर समस्याओं के निदान की मांग की गई है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में वृंदावन की परेशान करती ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार, गर्मी के मौसम में बिगड़ती विद्युत व्यवस्था, यमुना में गिरने वाले गंदे नालों, जर्जर और खराब सड़को के अलावा पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित कर जनता पर पड़ने वाले अतिरिक्त भार को कम करने की मांग की गई है।

धूल भरी आंधी बनीं बाधा राहगीर हुए परेशान

गुरुवार दोपहर नए बस स्टैंड के पास धूल भरी आंधी में चलते वाहन।

यूनिक समय, मथुरा। गुरुवार दोपहर को मौसम में बदलाव आया तो धूल भरी आंधी बाधा बन गई। आंधी की वजह से बाइक सवार और राहगीर परेशान हो गए। वहीं, मौसम विभाग ने आगामी दिनों में दिन का तापमान बढ़ने का पूर्वानुमान जारी किया है।

सुबह से मौसम साफ होने की वजह से वातावरण में गर्मी और उमस बनी हुई थी। वैसे, बीच- बीच में चलने वाली मध्यम गति की बयार धूल भी उड़ाती रही। दोपहर में मौसम में आए बदलाव के बाद अचानक धूल भरी आंधी चलने लगी। मध्यम गती की इस धूल भरी आंधी से राहगीर और बाइक सवार परेशान हो गए। करीब पांच मिनट बाद आंधी शांत होने से सब राहत में दिखे।

वहीं, मौसम विभाग ने आगामी दिनों में दिन का तापमान बढ़ने का पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है, जबकि आज यह 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। अगले दो दिनों में वर्षा और आंधी का भी अनुमान है।

मां के साथ सोती बालिका को रात में उठा ले गया युवक

दरिंदगी करने के बाद श्मशान घाट पर छोड़ गया

बालिका के गायब होने पर की गई तलाश, मचा हड़कंप

पुलिस ने आरोपी युवक को किया गिरफ्तार

यूनिक समय, कोसीकलां। थाना क्षेत्र के एक गांव में मां के साथ सो रही बालिका को एक युवक उठा ले गया। सुबह बालिका के गांव के श्मशान में मिलने पर सनसनी फैल गई। बालिका के साथ कथित यौन उत्पीड़न का मामला सामने आने पर लोगों में आक्रोश फैल गया। बालिका को थाने लाया गया। पुलिस अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंच गए। बालिका का मेडिकल कराए जाने के बाद पुलिस ने इस मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया, जिससे पूछताछ की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, कोसी-नंदगांव रोड स्थित एक गांव में एक बालिका मंगलवार रात अपनी मां के साथ घर में सो रही थी। आरोप है कि देर रात गांव का ही एक युवक उसे घर से अपने साथ ले गया। बुधवार प्रातः बालिका को घर पर नहीं देख कर परिवार में हड़कंप मच गया। परिवार के लोग बालिका की तलाश में इधर–उधर दौड़ भाग करने लगे। काफी खोजबीन के बाद बालिका गांव के बाहर स्थित श्मशान के समीप मिली। बालिका जिस हालत में मिली, उसे देख कर ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। परिवार के लोग बालिका को लेकर रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए थाना पहुंचे। घटना का पता लगने पर सीओ छाता भूषण वर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने आक्रोशित ग्रामीणों को समझाया। पुलिस ने शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई करते हुए बालिका को चिकित्सीय परीक्षण के लिए भेजा और आरोपित की तलाश शुरू कर दी। सीओ ने बताया कि इस मामले में तत्काल कार्रवाई की गई है। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपित युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है, उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और जांच पूरी होने तक संयम बनाए रखने की अपील की है।

गांव भदनवारा में कांवड़ लेने गए युवक पर करा दिया मुकदमा

एचसी एससी एक्ट की झूंठी रिपोर्ट पर पूर्व विधायक एसएसपी से मिले

यूनिक समय, मथुरा। थाना सुरीर के गांव भदनवारा में एक ऐसा चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने पुलिस कार्रवाई पर सवाल खड़े कर दिए। मांट विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक और रालोद के वरिष्ठ नेता के नेतृत्व में पीड़ित परिवार न्याय मांगने के लिए एसएसपी कार्यालय पहुंचा।

मांट क्षेत्र के पूर्व विधायक ठाकुर कुशल पाल सिंह और रालोद के वरिष्ठ नेता कुंवर नरेंद्र सिंह के साथ आज पीड़ित परिवार एसएसपी कार्यालय पहुंचा।

बताया गया कि गांव में हुए एक झगड़े, मारपीट और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित करने के मामल में कराई गई एफआईआर की घटना का जो समय दिखाया गया है। उस दिन रोहताश को बेटा हरिद्वार में गंगा जी से कांवड़ लेने गया था। वह गांव में था ही नहीं, लेकिन उसको नामजद कर दिया गया। चश्मदीद गवाह ने खुद ऐसी किसी भी घटना से साफ इन्कार कर दिया। पूर्व विधायक और रालोद नेता ने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व इस विवाद को जानबूझकर नया मोड़ देकर गांव का माहौल बिगाड़ना चाहते हैं। इससे पहले भी आंबेडकर की मूर्ति के पैर तोड़े जाने की अफवाह फैलाई गई थी, लेकिन पुलिस जांच में मूर्ति सुरक्षित मिली। यह चाल नाकाम हुई तो 13 फरवरी को यह फर्जी मुकदमा दर्ज करा दिया गया।

गर्मी में भी परिंदों को भाया जोधपुर झाल का परिवेश

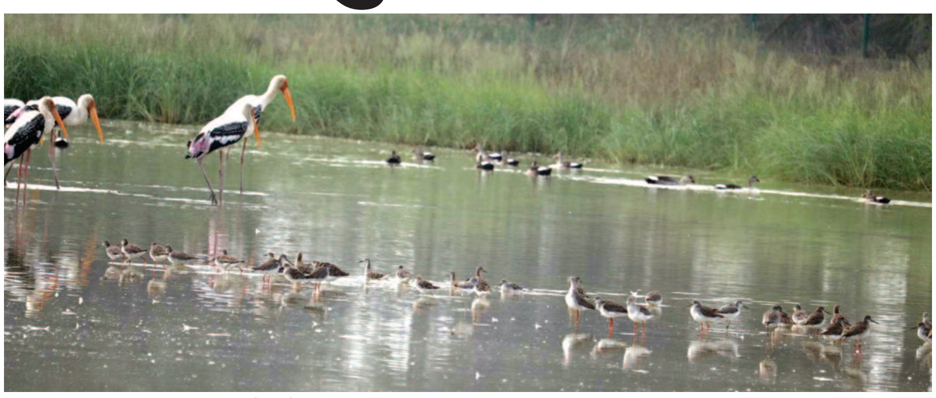
जोधपुर झाल में विचरण करते प्रवासी पक्षी।

मई के अंत तक दिखाई दीं कई प्रवासी प्रजातियां, पक्षी प्रेमियों में बढ़ी उत्सुकता

यूनिक समय, मथुरा। सर्दियों में हजारों किलोमीटर की उड़ान भरकर ब्रज पहुंचने वाले कई प्रवासी पक्षी इस बार गर्मी के मौसम में भी जोधपुर झाल वेटलैंड में कलरब करते दिखाई दे रहे हैं। आमतौर पर अप्रैल के अंत तक अपने मूल प्रजनन स्थलों की ओर लौट जाने वाले ये पक्षी मई के अंतिम सप्ताह तक भी यहां मौजूद रहे, जिससे पक्षी प्रेमियों और प्रकृति विशेषज्ञों की उत्सुकता बढ़ गई है।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा विकसित जोधपुर झाल वेटलैंड इन दिनों विदेशी पक्षियों की चहचहाहट से गुलजार है। बायोडायवर्सिटी रिसर्च एंड डेवलपमेंट सोसाइटी (बीआरडीएस) के पक्षी सर्वेक्षण में ब्लैक–टेल्ड गोडविट, रफ, सिट्रिन वेगटेल, स्टिंट, कॉमन रेडशैंक, स्पॉटेड रेडशैंक और ग्रीनशैंक जैसी प्रवासी प्रजातियों की मौजूदगी दर्ज की गई है। इनमें से कई पक्षी समूहों में वेटलैंड के विभिन्न हिस्सों में देखे गए। इस वर्ष कुछ प्रजातियों का ठहराव सामान्य से अधिक समय तक देखने को मिला है। शोधकर्ताओं का मानना है कि प्रवास की अवधि और मार्ग कई प्राकृतिक परिस्थितियों से प्रभावित होते हैं। प्रवासी पक्षियों की मौजूदगी को देखते हुए जोधपुर झाल वेटलैंड में जल और भोजन की उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पक्षियों के लिए अनुकूल वातावरण बनाए रखने के साथ उनकी गतिविधियों की निगरानी भी की जा रही है। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की मुख्य कार्यपालक अधिकारी लक्ष्मी नागप्पन ने बताया कि जोधपुर झाल वेटलैंड प्रवासी पक्षियों के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव बन चुका है। यहां आने वाले पक्षियों के संरक्षण और उनके अनुकूल आवास की व्यवस्था तय की जा रही है।

परिक्रमा मार्ग से पकड़े गए बेसहारा गोवंशी

गोवर्धन परिक्रमा मार्ग से बेसहारा गोवंशी को पकड़ते कर्मचारी।

यूनिक समय, मथुरा। परिक्रमार्थियों के लिए आफत बन रहे बेसहारा गोवंश को पकड़ने के लिए निकाय कर्मचारी मैदान में उतरे। गोवर्धन परिक्रमा मार्ग में कई स्थानों से ऐसे गोवंशी पकड़ने के बाद गोशालाओं को भिजवाए गए। ईओ के मोबाइल रिसीब नहीं करने की वजह से इनकी सही संख्या पता नहीं चल सकी। डीएम चंद्रप्रकाश सिंह के निर्देश पर गोवर्धन परिक्रमा मार्ग में निकाय कर्मचारी और अन्य ने अभियान चलाया। गिरिराज नगर कालोनी, पूंछरी का लौठा, आन्योर और जतीपुरा, गोवर्धन परिक्रमा मार्ग समेत कई स्थानों पर चलाए गए अभियान के दौरान कई बेसहारा गोवंश पकड़ने का काम हुआ, जिनको बाद में गोशाला भेजकर संरक्षित कराया गया।

धधकती धूनी के बीच तप में लीन बाबा

ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा में बने आकर्षण का केंद्र

संवाददाता

यूनिक समय, राया। ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा में लोगों को अनूठे नजारे देखने को मिल रहे है। कोई नाती, बेटा, अपनी दादी को पालकी में बैठाकर तो कोई बहू अपनी सास को तसला में बैठाकर तो कोई अपनी स्वर्गवासी पत्नी की फ़ोटो लेकर ब्रज चौरासी कोस की परिक्रमा कर रहा है ।

गुरुवार को रामेश्वरम से ब्रदी विशाल तक तीन हजार किलोमीटर की दंडोति परिक्रमा देने के बाद गोवर्धन से ब्रज चौरासी कोस की परिक्रमा प्रारंभ कर मुरैना, राजस्थान निवासी मणिराम दास अलबेली सरकार आश्रम ब्रज चौरासी कोस की परिक्रमा करते हुए कस्वा के बलदेव मार्ग स्थित रामलला आश्रम पर पहुंचे, जहां वे तपती दुपहरी में अपने चारों तरफ और सिर पर आग की धूनी रमाकर साधना में लीन हो गये। जो इस समय ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा में आकर्षण का केंद्र बने हुए है।

धूनी लगाकर बैठे बाबा मणिराम दास।

सात जून को मनेगा आराध्य पुष्पार्चना महोत्सव

यूनिक समय, वृन्दावन। प्राचीन श्रीहरिदासपीठ मंदिर में श्रीपुरुषोत्तममास में चल रहे प्रभु – भक्त सेवासत्र के तहत सात जून को आराध्य पुष्पार्चना महोत्सव मनाया जाएगा। उत्सव अंतर्गत श्रीहरिदासबिहारी को शीतलता प्रदायक विभिन्न प्रकार के सुगंधित पुष्प, तुलसी, इत्र, गुलाबजल आदि से सेवित करने के उपरांत ठंडी तासीर वाले भोज्य और पेय पदार्थ अर्पित किए जाएंगे। सेवाभावी संस्था श्रीहरिदासबिहारी फाउंडेशन भारत ट्रस्ट द्वारा संस्थापक आचार्य प्रहलाद बल्लभ गोस्वामी के सानिध्य में अधिकमास में विशेष रुप से आयोजित किए जा रहे हैं। शुक्रवार को सरला अरोरा साहिबाबाद की ओर से भक्तसेवा की जाएगी। शनिवार को अलीगढ निवासी भाजपा ब्रज क्षेत्र के सहप्रभारी विजय गुप्ता, महानगर उपाध्यक्ष पल्लवी गुप्ता परिवार की ओर से भक्तों को शीतल पेय पदार्थों का वितरण किया जाएगा। रविवार को आराध्य पुष्पार्चना महोत्सव मनाया जाएगा। संस्था के महासचिव रविंद्र तंवर ने बताया कि सेवासत्र 15 जून को सोमवती अमावस्या पर्व तक अनवरत आयोजित होता रहेगा।

आस्था के नाम पर मिलावटी दूध का खेल

मजबूरी में नकली दूध से परिक्रमा कर रहे हैं श्रद्धालु

पूरन सिंह

क्षेत्रपाल सिंह

कमलेश देवी

यूनिक समय, मथुरा। अधिक मास में गिरिराज महाराज की परिक्रमा करने के लिए गोवर्धन में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है। कोई दंडवत परिक्रमा कर रहा है तो कोई दूध की धार से परिक्रमा लगाकर मनोकामना पूरी होने की प्रार्थना कर रहे है, लेकिन आस्था के इस महापर्व के बीच मिलावटी दूध का कारोबार श्रद्धालुओं की भावना पर चोट पहुंचा रहा है।

परिक्रमा मार्ग और आसपास के क्षेत्रों में दूध की मांग बढ़ते ही कुछ दुकानदार इस खेल में उतर गए हैं। अब ऐसे लोग मिलावटी दूध बेचने का धंधा करीने लगे है। ऐसे में श्रद्धालु मजबूरी में जो दूध मिलता है, उसी से परिक्रमा कर अपनी धार्मिक परंपरा निभा रहे हैं। लोगों का कहना है कि अधिक मास में दूध की खपत कई गुना बढ़ जाती है। इसी का फायदा उठाकर कुछ लोग मोटा मुनाफा कमाने के लिए मिलावटी दूध बेच रहे हैं। सुरीर निवासी पूरन सिंह ने कहा कि हम श्रद्धा और विश्वास के साथ गिरिराज महाराज की परिक्रमा करने आते हैं। दूध खरीदते समय भरोसा रहता है कि वह शुद्ध होगा, लेकिन यहां मिलावटी दूध की बातें सुनकर दुख होता है। धार्मिक कार्यों में इस्तेमाल होने वाली सामग्री पूरी तरह शुद्ध होनी चाहिए। क्षेत्रपाल सिंह ने बताया कि बाहर से आने वाले श्रद्धालु स्थानीय दुकानों से ही दूध खरीदते हैं। हम यह पता होते हुए भी यह दूध खरीदते है,क्या मजबूरी है, फिर कहां से लेकर आए।

कमलेश देवी ने कहा कि अधिक मास में लाखों लोग गोवर्धन आते हैं। ऐसे समय में दूध और अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर विशेष नजर रखनी चाहिए। मिलावट करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी तो ऐसी शिकायतें अपने आप बंद हो जाएंगी। गोवर्धन की देश- विदेश से परिक्रमा लगाने आते है,उनके दिल पर क्या ठेस पहुंती होगी।

जीएलए इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के 97 प्रतिशत छात्रों का चयन

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 में प्लेसमेंट के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए 97 प्रतिशत प्लेसमेंट रिकॉर्ड दर्ज किया है। विभाग के विद्यार्थियों ने तकनीकी दक्षता, अनुशासन और नवाचार क्षमता के बल पर देश की प्रतिष्ठित कंपनियों में चयन प्राप्त कर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है।

जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के चयनित छात्र–छात्रा ।

इस वर्ष आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में टाटा पावर, कमिंस इंडिया, जैक्सन, विवो, केईआई वायर्स एंड केबल्स, सिक्योर मीटर्स, काउंटी ग्रुप, त्रिजाल इलेक्ट्रिक और तत्व इंटीरियर्स पैरामाउंट सहित कई प्रमुख कंपनियों ने भाग लिया। कंपनियों ने विद्यार्थियों की तकनीकी समझ, समस्या समाधान क्षमता और पेशेवर व्यवहार का मूल्यांकन कर विभिन्न पदों पर नियुक्तियां कीं। प्लेसमेंट प्रक्रिया में सबसे अधिक 9.25 लाख रुपये वार्षिक पैकेज कमिंस इंडिया द्वारा दिया गया, जिसमें छात्र तुषार उपाध्याय का चयन हुआ। विभाग का औसत वार्षिक पैकेज 5.20 लाख रुपये रहा। उमेश कुमार का चयन टाटा पावर और सिक्योर मीटर्स में, जबकि डॉली परिहार का चयन जैक्सन और एम्बर एंटरप्राइजेज में हुआ। इसके अलावा अंकित कुमार, दीपांशु दिवाकर, माधव अग्रवाल, नीरज सिंह, प्रशांत वार्ष्णेय, वंश शर्मा और एंजेल शर्मा ने भी एक से अधिक कंपनियों में चयन प्राप्त किया। विभागाध्यक्ष डॉ. विनय देवलिया और एसोसिएट विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष शुक्ला ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विभाग का उद्देश्य छात्रों को केवल अकादमिक रूप से सक्षम बनाना नहीं, बल्कि उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप कुशल और आत्मविश्वासी प्रोफेशनल तैयार करना है। उन्होंने बताया कि आधुनिक प्रयोगशालाएं, प्रायोगिक प्रशिक्षण और उद्योगों से निरंतर संवाद विद्यार्थियों की सफलता का आधार बने हैं। चयनित छात्र उमेश कुमार ने कहा कि

9.25 लाख रुपये तक पहुंचा वार्षिक पैकेज

जीएलए विश्वविद्यालय में मिला प्रायोगिक ज्ञान, अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन और इंडस्ट्री आधारित प्रशिक्षण उनके चयन में बेहद सहायक रहा। उन्होंने बताया कि मॉक इंटरव्यू और तकनीकी प्रशिक्षण ने उनका आत्मविश्वास बढ़ाया।

प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर डॉ. अरविन्द कुमार यादव ने बताया कि सत्र 2026-27 के लिए बीटेक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिक व्हीकल स्पेशलाइजेशन, कंप्यूटर साइंस माइनर, एमटेक और पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उन्होंने छात्रों से इन अवसरों का लाभ उठाने का आह्वान किया।

नेटवर्क सुधार की धीमी रफ्तार से बढ़ी बिजली व्यवस्था की चुनौती

यूनिक समय, मथुरा। भीषण गर्मी के दौरान बढ़ते विद्युत भार के बीच नेटवर्क सुदृढ़ीकरण की योजनाओं की धीमी प्रगति बिजली व्यवस्था पर भारी पड़ती दिखाई दे रही है। हालात यह हैं कि कई क्षेत्रों में तकनीकी खराबियां बढ़ने से उपभोक्ताओं को बार-बार कटौती और शटडाउन का सामना करना पड़ रहा है, जबकि फील्ड कर्मचारी शिकायतों के दबाव में काम कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, गर्मियों में निर्बाध आपूर्ति तय करने के लिए विद्युत निगम वर्ष पहले से बिजनेस प्लान तैयार कराया था। वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना भी पिछले वर्ष ही तैयार कर ली गई थी। इसके अंतर्गत जर्जर 11 केवी और 33 केवी लाइनों का प्रतिस्थापन, नई लाइनें बिछाना, क्षमता वृद्धि वाले ट्रांसफार्मर स्थापित करना और अतिरिक्त विद्युत ढांचा विकसित करना शामिल था।

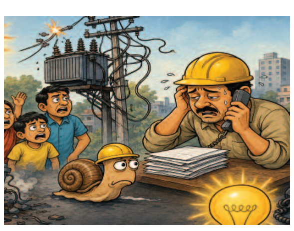

मुख्यालय से स्वीकृति मिलने के बाद निविदा प्रक्रिया शुरू हुई, लेकिन विभिन्न स्तरों पर प्रक्रियागत देरी के कारण कई कार्य तय समय में पूरे नहीं हो सके। विभागीय सूत्रों के अनुसार, वर्तमान बिजनेस प्लान का क्रियान्वयन अब तक लगभग 40 प्रतिशत तक ही पहुंच पाया है। वहीं, वर्ष 2024-25 की योजना भी पूरी तरह धरातल पर नहीं उतर सकी थी और उसका कार्य लगभग 70 प्रतिशत तक ही सीमित रहा। समय पर लाइनें नहीं बदले जाने और क्षमता वृद्धि के कार्य अधूरे रहने से पुराने नेटवर्क पर अतिरिक्त भार पड़ रहा है।

गर्मी में उपभोक्ता परेशान, कटौती और शटडाउन बना मुसीबत

इसके चलते कहीं तारों में खराबी आ रही है तो कहीं ट्रांसफार्मर प्रभावित हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में आपूर्ति बनाए रखने के लिए कई बार आवश्यक शटडाउन लेना पड़ता है।

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जब भी आपूर्ति बाधित होती है तो उपभोक्ताओं का सामना सबसे पहले स्थानीय बिजली कर्मचारियों से होता है। संसाधनों की कमी और बढ़ते दबाव के बीच उन्हें शिकायतों का निस्तारण करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर ओवरलोडिंग के कारण आपातकालीन मरम्मत कार्य भी करने पड़ रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि स्वीकृत योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन तय किया जाए तो गर्मियों में होने वाली अनेक तकनीकी समस्याओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके लिए खरीद प्रक्रिया, सामग्री उपलब्धता और कार्य प्रगति की नियमित निगरानी आवश्यक है।

विभागीय व्यवस्था के तहत ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त होने की घटनाओं पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जा रही है। जानकारी के अनुसार, कुछ मामलों में एसडीओ और जेई स्तर के अधिकारियों पर आर्थिक दायित्व भी निर्धारित किया गया है। फील्ड अधिकारियों का मानना है कि जवाबदेही के साथ-साथ आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता भी सुनिश्चित होनी चाहिए। इस संबंध में मुख्य अभियंता राजीव गर्ग का पक्ष जानने के लिए दूरभाष पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन फोन रिसीव नहीं हो सका।

अब रविवार को भी बनेंगे आधार कार्ड, छुट्टी की टेंशन खत्म

यूनिक समय, मथुरा। आधार कार्ड बनवाने के लिए अब नौकरीपेशा लोगों को छुट्टी लेने की चिंता नहीं करनी पड़ेगी। सिविल लाइंस स्थित मुख्य डाकघर ने लोगों की सुविधा के लिए एक नई पहल शुरू की है। अब रविवार को भी आधार कार्ड बनाए और अपडेट किए जाएंगे।

प्रवर अधीक्षक विजेंद्र ने बताया कि सरकारी और निजी कर्मचारी सप्ताह भर काम में व्यस्त रहते हैं। ऐसे में उन्हें आधार कार्ड बनवाने या उसमें नाम, पता, मोबाइल नंबर जैसी जानकारी अपडेट कराने के लिए छुट्टी लेनी पड़ती थी। लोगों की इस परेशानी को देखते हुए मुख्य डाकघर में रविवार के दिन भी आधार सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि जिले में वर्तमान में 25 आधार मशीनें चल रही हैं, जिनके माध्यम से लोगों को आधार संबंधी सेवाएं दी जा रही हैं। इसके बावजूद यदि किसी गांव, कस्बे या शहर के किसी क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोगों के आधार कार्ड नहीं बन पाए हैं तो वहां शिविर लगाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि यदि किसी क्षेत्र में करीब 250 या उससे अधिक लोग आधार कार्ड बनवाने से वंचित रह रहे हैं तो डाक विभाग वहां पहुंचकर आधार शिविर आयोजित करेगा। इससे लोगों को दूर जाकर लाइन में लगने की जरूरत नहीं पड़ेगी और उन्हें अपने क्षेत्र

मुख्य डाकघर की नई सुविधा से कर्मचारियों, विद्यार्थियों और आम लोगों को राहत

जरूरत पड़ने पर गांव-स्कूलों में भी लगेंगे आधार शिविर

में ही सुविधा मिल जाएगी। उन्होंने बताया कि स्कूलों और कॉलेजों में भी यदि छात्र-छात्राओं के आधार कार्ड नहीं बने हैं तो वहां भी कैंप लगाए जाएंगे। इससे विद्यार्थियों को प्रवेश और अन्य सरकारी योजनाओं में होने वाली दिक्कतों से राहत मिलेगी। खासकर नौकरीपेशा लोगों के लिए रविवार को आधार कार्ड बनवाने की सुविधा किसी खुशखबरी से कम नहीं है। अब लोग अपने अवकाश के दिन आराम से आधार संबंधी काम निपटा सकेंगे और उन्हें कार्यालयों के चक्कर भी नहीं लगाने पड़ेंगे।

निरंकारी भक्तों ने बताई मनुष्य जन्म की सार्थकता

कदम्ब विहार पार्क में सत्संग के दौरान प्रवचन देते संत।

यूनिक समय, मथुरा। गुरुवार को कदम्ब विहार के दयानंद सरस्वती पार्क में संत निरंकारी मिशन ने आध्यात्मिक सत्संग का आयोजन किया। निरंकारी भक्तों ने सतगुरु माता सुदीक्षा का संदेश देते हुए मानव जीवन की सार्थकता पर प्रकाश डाला। जोनल इंचार्ज संत एचके अरोड़ा ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि ब्रह्मानुभूति प्रत्येक मानव का परम लक्ष्य है, लेकिन अज्ञानता के कारण मनुष्य इससे दूर बना रहता है। उन्होंने कहा कि प्रभु ज्ञान के बिना मानव जीवन अधूरा और निरर्थक है। मीडिया सहायक किशोर स्वर्ण ने बताया कि नवादा स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में प्रत्येक रविवार सुबह 9:30 बजे साप्ताहिक सत्संग आयोजित किया जाता है। स्थानीय इंचार्ज संत एसके रावत ने सभी श्रद्धालुओं का आभार जताया।

प्राचीन केशव देव में धूमधाम से मना हरियाली तीज महोत्सव

ठाकुर श्रीकेशव देव मंदिर में हरियाली तीज महोत्सव में खंडेलवाल महिला मंडल की महिलाएं।

यूनिक समय, मथुरा। प्राचीन मंदिर ठाकुर श्री केशव देव में खंडेलवाल महिला मंडल ने हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन किया। महिलाओं ने भक्ति और संस्कृति का संगम प्रस्तुत किया।

महोत्सव में ठाकुर श्री केशव देव को आकर्षक झूले में विराजमान कर मंदिर परिसर को हरियाली तीज के अनुरूप सजाया गया। भजन-कीर्तन के दौरान श्रद्धालु महिलाएं भक्ति रस में सराबोर हो गई और भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी के जयकारों ने मंदिर परिसर भक्ति के रस में डूब गया। इस अवसर पर रमा खंडेलवाल, भावना खंडेलवाल, पूजा खंडेलवाल, पल्लवी खंडेलवाल, राज खंडेलवाल, मीनल खंडेलवाल, गुंजन खंडेलवाल, प्रीति खंडेलवाल, ममता खंडेलवाल, शिल्पी खंडेलवाल, नम्रता खंडेलवाल, मीरा खंडेलवाल सहित बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालु उपस्थित रहीं।

सराय स्थलों के आसपास स्वच्छता को समझाएं श्रद्धालु

यूनिक समय, मथुरा। एडीएम न्यायिक ने तहसील मांट के अधिकारियों के साथ ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा के सराय स्थलों का निरीक्षण किया। श्रद्धालुओं और समाजसेवियों को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया। कहा कि अधिकमास के दौरान स्वच्छता काम में योगदान निभाना पुण्य कमाने की बराबर है। उन्होंने श्रद्धालुओं को गंदगी को कूड़ादान में डालने के लिए समझाया।

सराय स्थल पर सफाई के लिए लोगों को समझाते एडीएम न्यायिक वेद प्रिय आर्य।

एडीएम न्यायिक ने समाजसेवियों को भी किया जागरूक

सफाई काम में योगदान करना पुण्य का भागी बनने जैसा

इन दिनों ब्रज परिक्रमा का जोर चल रहा है। दोपहर और मध्य रात्रि के अलावा परिक्रमा मार्ग परिक्रमार्थियों से भरकर चल रहे है। अब तक परिक्रमा को 18 दिन का समय भी व्यतीत हो चुका है। ऐसे में अब अधिकमास में शेष दिनों के दौरान परिक्रमा लगाने वाले परिक्रमार्थियों की संख्या में और बढ़ोत्तरी होगी। ऐसे में प्रशासन भी परिक्रमार्थियों की सुविधा और बेहतर इंतजामों में जुटा है। बीते दिन एडीएम न्यायिक वेद प्रिय आर्य ने एसडीएम मांट दीपिका मेहर ओर तहसीलदार सुनील कुमार गुप्ता के साथ मांट क्षेत्र में परिक्रमार्थियों की सुविधा के लिए संचालित सराय स्थलों का निरीक्षण किया। एक सराय स्थल के आराम करने वाले स्थान के पास गंदगी मिलने पर आयोजकों को समझाया। श्रद्धालुओं से खाना- नाश्ता करने के बाद गंदगी को ड्रम या डस्टबिन में डालने के लिए समझाया। कहा कि परिक्रमा लगाने का पुण्य स्वच्छता में योगदान निभाने से ज्यादा मिलेगा। एडीएम ने कहा कि स्वच्छता रहने से गंदगी नहीं रहेगी और संक्रामक बीमारियां भी नहीं फैलेगी। इस दौरान अधिकारियो ने मांट के अलावा टेंटीगांव में भी सराय स्थलों का निरीक्षण किया।

हर 30 मिनट पर वॉकिंग ब्रेक लेने से सेहत को क्या फायदे हो सकते हैं

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज के समय में ज्यादातर लोग घंटों तक कंप्यूटर, लैपटॉप या मोबाइल स्क्रीन के सामने बैठकर काम करते हैं। लगातार बैठे रहने की आदत धीरे–धीरे कई स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि हर 30 मिनट में 2 से 3 मिनट का वॉकिंग ब्रेक लेने से शरीर को कई महत्वपूर्ण फायदे मिल सकते हैं। यह एक छोटी सी आदत है, लेकिन इसका असर लंबे समय तक देखने को मिलता है। सबसे बड़ा फायदा यह है कि वॉकिंग ब्रेक शरीर के मेटाबॉलिज्म को सक्रिय बनाए रखता है। लंबे समय तक बैठे रहने से कैलोरी बर्न होने की प्रक्रिया धीमी पड़ जाती है, जिससे वजन बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है। वहीं, थोड़ी देर टहलने से शरीर ऊर्जा का बेहतर उपयोग करता है और अतिरिक्त कैलोरी को बर्न करने में मदद मिलती है। वॉकिंग ब्रेक ब्लड सर्कुलेशन को भी बेहतर बनाता है। लगातार बैठे रहने से पैरों में रक्त प्रवाह धीमा हो

सकता है, जिससे सूजन और अन्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। कुछ मिनट की वॉक शरीर में ऑक्सीजन और खून के प्रवाह को बेहतर बनाती है, जिससे दिल स्वस्थ रहता है और रक्तचाप नियंत्रित रहने में मदद मिलती है। इसके अलावा, यह आदत ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखने में भी मददगार साबित हो सकती है। कई अध्ययनों में पाया गया है कि नियमित अंतराल पर थोड़ी देर टहलने से इंसुलिन की कार्यक्षमता बेहतर होती है और टाइप–2 डायबिटीज का जोखिम कम हो सकता है। लंबे समय तक बैठकर

बढ़ेगी ऊर्जा और दूर होगा तनाव

काम करने वाले लोगों को अक्सर गर्दन, कंधे और कमर दर्द की शिकायत रहती है। हर आधे घंटे में उठकर चलने से मांसपेशियों की जकड़न कम होती है और रीढ़ की हड्डी पर पड़ने वाला दबाव घटता है। इससे शरीर अधिक लचीला और आरामदायक महसूस करता है। मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी वॉकिंग ब्रेक बेहद फायदेमंद है। थोड़ी देर चलने से तनाव कम होता है और दिमाग को ताजगी मिलती है। इससे एकाग्रता बढ़ती है, मूड बेहतर होता है और काम की उत्पादकता में भी सुधार आता है। यदि आप रोजाना लंबे समय तक बैठकर काम करते हैं, तो हर 30 मिनट बाद कुछ मिनट टहलने की आदत जरूर अपनाएं। यह सरल उपाय आपको शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखने में बड़ी भूमिका निभा सकता है।

देसी और हाइब्रिड खीरे की पहचान के तीन आसान तरीके

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों में खीरा शरीर को ठंडक और हाइड्रेशन देने के लिए खूब खाया जाता है। लेकिन बाजार में मिलने वाले देसी और हाइब्रिड खीरे में फर्क करना कई लोगों के लिए मुश्किल होता है। किसानों के अनुसार कुछ आसान संकेतों से दोनों की पहचान की जा सकती है। 1. आकार और बनावट से पहचानें देसी खीरा आमतौर पर आकार में छोटा, थोड़ा टेढ़ा–मेढ़ा और असमान होता है। वहीं हाइब्रिड खीरा अधिक लंबा, मोटा और लगभग एक जैसी शेप का दिखाई देता है। 2. स्वाद और खुशबू पर दें ध्यान देसी खीरे में प्राकृतिक सुगंध ज्यादा होती है और इसका स्वाद भी अधिक ताजगीभरा व हल्का मीठा महसूस होता है। दूसरी ओर हाइब्रिड खीरे का स्वाद अपेक्षाकृत हल्का और कम सुगंध वाला हो सकता है। 3. छिलके और बीज देखें देसी खीरे का छिलका अक्सर थोड़ा खुरदुरा और रंग में असमान होता है। इसके बीज भी ज्यादा और स्पष्ट दिखाई देते हैं। हाइब्रिड खीरे का छिलका चिकना, चमकदार और एक समान रंग का होता है, जबकि बीज अपेक्षाकृत कम नजर आते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि देसी और हाइब्रिड दोनों खीरे पोषण के लिहाज से फायदेमंद होते हैं। अंतर मुख्य रूप से स्वाद, बनावट और खेती की तकनीक में होता है। इसलिए खरीदते समय अपनी पसंद और उपयोग के अनुसार खीरे का चयन करें।

जानिए आग से बचाव के जरूरी नियम

संकट में सूझबूझ ही सबसे बड़ा बचाव

यूनिक समय, नई दिल्ली। आग लगने की घटनाएं कभी भी और कहीं भी हो सकती हैं। हाल के दिनों में होटल, अस्पताल और अन्य इमारतों में आग लगने के कई मामले सामने आए हैं। ऐसी स्थिति में घबराने के बजाय शांत रहकर सही कदम उठाना बेहद जरूरी होता है। थोड़ी सी समझदारी आपकी और दूसरों की जान बचा सकती है। अगर किसी होटल, अस्पताल या बहुमंजिला इमारत में आग लग जाए, तो सबसे पहले सुरक्षित तरीके से बाहर निकलने की कोशिश करें। आग लगने पर कभी भी लिफ्ट का इस्तेमाल न करें, क्योंकि बिजली बंद होने या धुआं भरने की वजह से उसमें फंसने का खतरा रहता है। हमेशा सीढ़ियों का उपयोग करें। धुआं फैलने की स्थिति में सीधे खड़े होकर चलने के बजाय झुककर या घुटनों के बल आगे बढ़ें। धुआं ऊपर की ओर जमा होता है, जबकि नीचे अपेक्षाकृत साफ हवा रहती है। नाक और मुंह को गीले कपड़े से ढक लेने से सांस लेने में आसानी होती है। यदि आग बिजली के उपकरणों या शॉर्ट सर्किट से लगी हो, तो उस पर पानी नहीं डालना चाहिए। इससे करंट लग सकता है। ऐसी स्थिति में अग्निशामक यंत्र या सूखी रेत का इस्तेमाल करना अधिक सुरक्षित होता है। आग लगने पर सामान बचाने के चक्कर में समय बर्बाद न करें। सबसे पहले अपनी और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करें। साथ ही तुरंत फायर ब्रिगेड और आपातकालीन सेवाओं को सूचना दें। विशेषज्ञों का मानना है कि फायर सेफ्टी की जानकारी, आपातकालीन निकास मार्गों की पहचान और सतर्कता किसी भी बड़ी दुर्घटना में जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसलिए हमेशा तैयार रहें और सुरक्षा नियमों का पालन करें।

सबसे गर्म तासीर वाला ड्राई फ्रूट कौन सा है

यूनिक समय, नई दिल्ली। ड्राई फ्रूट्स सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माने जाते हैं, लेकिन कुछ मेवों की तासीर काफी गर्म होती है। आयुर्वेद के अनुसार चिलगोजा और अखरोट सबसे ज्यादा गर्म तासीर वाले ड्राई फ्रूट्स में गिने जाते हैं। इसके अलावा सूखे बादाम की तासीर भी गर्म मानी जाती है। गर्मी के मौसम में इनका अधिक सेवन शरीर में अतिरिक्त गर्मी पैदा कर सकता है। इससे मुंह में छाले, एसिडिटी, पेट में जलन, गैस, नाक से खून आने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। जिन लोगों की प्रकृति पित्त प्रधान होती है, उन्हें विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि गर्मियों में अखरोट या बादाम खाना हो तो इन्हें रातभर पानी में भिगोकर सुबह छिलका उतारकर खाना बेहतर रहता है। भिगोने से इनकी गर्म तासीर कुछ हद तक कम हो जाती है और पाचन भी आसान हो जाता है। गर्मी में अपेक्षाकृत हल्के ड्राई फ्रूट्स जैसे किशमिश, भीगे हुए बादाम, अंजीर, सीमित मात्रा में पिस्ता और काजू का सेवन किया जा सकता है। ये शरीर को जरूरी पोषक तत्व देने के साथ–साथ ऊर्जा भी प्रदान करते हैं। हालांकि ड्राई फ्रूट्स पूरी तरह छोड़ने की जरूरत नहीं होती, लेकिन मौसम और शरीर की जरूरत के अनुसार इनकी मात्रा तय करना जरूरी है। संतुलित मात्रा में सेवन करने से इनके फायदे मिलते हैं, जबकि अधिक सेवन नुकसान भी पहुंचा सकता है। इसलिए गर्मियों में ड्राई फ्रूट्स हमेशा सीमित मात्रा में और संभव हो तो भिगोकर ही खाने चाहिए।

क्या बालों में टमाटर का रस लगाना फायदेमंद है

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मी के मौसम में धूल, पसीना और प्रदूषण का असर बालों पर साफ दिखाई देता है। बाल बेजान, चिपचिपे और रूखे होने लगते हैं। ऐसे में कई लोग प्राकृतिक उपायों की तलाश करते हैं। टमाटर का रस भी एक ऐसा घरेलू उपाय है, जिसे बालों और स्कैल्प की देखभाल के लिए इस्तेमाल किया जाता है। टमाटर में विटामिन सी, पोटेशियम, फोलिक एसिड और कई एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। इसमें मौजूद लाइकोपीन और प्राकृतिक एसिड स्कैल्प को साफ रखने में मदद कर सकते हैं। यही वजह है कि टमाटर को बालों के लिए फायदेमंद माना जाता है। बालों पर टमाटर का रस लगाने के फायदे टमाटर का रस स्कैल्प पर जमा अतिरिक्त तेल और गंदगी को हटाने में मदद कर सकता है। इससे बाल अधिक साफ और फ्रेश महसूस होते हैं। नियमित रूप से इस्तेमाल करने पर बालों में प्राकृतिक चमक आ सकती है और उनका रूखापन कम हो सकता है। टमाटर में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स स्कैल्प को स्वस्थ रखने में सहायक होते हैं। यह पसीने और धूल की वजह से होने वाली चिपचिपाहट को कम करने में भी मदद कर सकता है। कुछ लोगों को इससे हल्की डैंड्रफ की समस्या में भी राहत मिल सकती है। कैसे करें इस्तेमाल? एक पके हुए टमाटर का रस निकाल लें और उसे सीधे स्कैल्प तथा बालों पर लगाएं। हल्के हाथों से 5 से 10 मिनट तक मसाज करें। इसके बाद 15 से 20 मिनट तक लगा रहने दें और फिर माइल्ड शैंपू से बाल धो लें। अगर आपके बाल बहुत ज्यादा रूखे हैं, तो टमाटर के रस में 2 चम्मच दही मिलाकर हेयर मास्क की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे बालों को अतिरिक्त नमी मिलती है और वे अधिक मुलायम महसूस होते हैं। हालांकि, जिन लोगों की स्कैल्प बहुत संवेदनशील है या जिन्हें किसी तरह की एलर्जी है, उन्हें पहले पैच टेस्ट करना चाहिए। किसी भी घरेलू नुस्खे को अपनाने से पहले अपनी त्वचा और बालों की प्रकृति को ध्यान में रखना जरूरी है। टमाटर का रस सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए तो यह बालों की देखभाल का एक आसान और प्राकृतिक विकल्प बन सकता है।

किचन में इस्तेमाल होने वाले ये तेल बढ़ा सकते हैं कोलेस्ट्रॉल

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज के समय में लोग हेल्दी खाने और फिटनेस पर काफी ध्यान दे रहे हैं, लेकिन कई बार खाना बनाने में इस्तेमाल होने वाले तेल की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं देते। विशेषज्ञों का मानना है कि गलत कुकिंग ऑयल का नियमित उपयोग शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ा सकता है, जिससे दिल की बीमारियों, मोटापे और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। पाम ऑयल का इस्तेमाल मिठाइयों, बिस्कुट, स्नैक्स और कई पैकेज्ड फूड में किया जाता है। इसमें सैचुरेटेड फैट की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर में एलडीएल यानी बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने का काम कर सकता है। अधिक मात्रा में इसका सेवन हृदय रोगों के जोखिम को बढ़ा सकता है। सूरजमुखी का तेल रिफाइंड सूरजमुखी तेल में ओमेगा–6 फैटी एसिड की मात्रा अधिक होती है। जरूरत से ज्यादा

सेवन करने पर यह शरीर में सूजन बढ़ा सकता है। साथ ही अधिक तापमान पर प्रोसेसिंग के कारण इसके कुछ महत्वपूर्ण पोषक तत्व भी कम हो जाते हैं। लंबे समय तक अत्यधिक सेवन स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। राइस ब्रान ऑयल को हेल्दी विकल्प के रूप में प्रचारित किया जाता है, लेकिन यह काफी हद तक प्रोसेस्ड और रिफाइंड होता है। निर्माण प्रक्रिया में कई तरह की तकनीकों और रसायनों का उपयोग किया जाता है, जिससे इसकी प्राकृतिक गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। वेजिटेबल ऑयल अक्सर कई अलग–अलग तेलों का मिश्रण होता है। इनमें पाम, कॉर्न और अन्य वनस्पति तेल शामिल हो सकते हैं। अत्यधिक रिफाइनिंग की वजह से यह स्वास्थ्य के लिए उतना लाभकारी नहीं माना जाता जितना लोग समझते हैं। कॉर्न ऑयल में

कुकिंग ऑयल चुनते समय रहें सावधान

ओमेगा–6 फैटी एसिड अधिक मात्रा में पाया जाता है, जबकि ओमेगा–3 काफी कम होता है। यह असंतुलन शरीर में सूजन बढ़ाने और हृदय स्वास्थ्य को प्रभावित करने का कारण बन सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी तेल का अत्यधिक सेवन नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए तेल का चयन सोच–समझकर करें और मात्रा पर नियंत्रण रखें। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और सही कुकिंग ऑयल का चुनाव स्वस्थ जीवन के लिए बेहद जरूरी है। केवल स्वाद ही नहीं, बल्कि सेहत को ध्यान में रखकर तेल चुनना भी जरूरी है।

सुविचार

खुश रहने वाले लोग हर समस्या में भी एक नया अवसर ढूंढ लेते हैं।

कल का पंचांग

तिथि	पंचमी	11:30-01:20 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	श्रवण	03:41-06:03 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:28 AM	चन्द्रोदय	11:10 PM
सूर्यास्त		7:07 PM	चंद्रास्त	10:16 AM
सूर्य राशि		वृषभ राशि	चंद्र	मकर राशि
शुभ मुहूर्त		11:50AM -12:45 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:51-04:39
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		10:35 AM: 12:17 PM	वार	शुक्रवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

15 जून को खत्म होगा अधिकमास

फिर बजेंगी खुशियों की शहनाइयां

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू पंचांग के अनुसार वर्ष 2026 का अधिकमास (पुरुषोत्तम मास) 15 जून को समाप्त होने जा रहा है। इसके साथ ही विवाह, गृह प्रवेश, भूमि पूजन और अन्य मांगलिक कार्यों पर लगा विराम भी खत्म हो जाएगा। लंबे समय से शुभ कार्यों की प्रतीक्षा कर रहे परिवार अब अधिकमास के समापन के बाद शुभ मुहूर्तों के अनुसार अपने कार्यक्रमों की तैयारी शुरू कर सकेंगे।

ज्योतिषाचार्य एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा के अनुसार अधिकमास को हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र माना गया है। हालांकि इस अवधि में विवाह, मुंडन, जनेऊ संस्कार, गृह प्रवेश और नए व्यापार की शुरुआत जैसे मांगलिक कार्यों को करने की सलाह नहीं दी जाती। इसके पीछे धार्मिक और ज्योतिषीय मान्यताएं जुड़ी हुई हैं। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार अधिकमास तब आता है, जब एक चंद्र मास के दौरान सूर्य की कोई संक्रांति नहीं होती। पंचांग के संतुलन को बनाए रखने के लिए इस अतिरिक्त माह को जोड़ा जाता है। मान्यता है कि इस दौरान नए सांसारिक कार्यों की अपेक्षा आध्यात्मिक साधना और धार्मिक अनुष्ठानों पर अधिक ध्यान देना चाहिए।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

धर्माचार्यों का कहना है कि अधिकमास को अशुभ मानना एक भ्रम है। वास्तव में यह भगवान विष्णु और श्रीकृष्ण को समर्पित विशेष मास माना जाता है। इस दौरान किए गए जप, तप, भजन, कीर्तन, व्रत, पूजा-पाठ और दान-पुण्य का विशेष फल प्राप्त होता है। यही कारण है कि देशभर के मंदिरों में पुरुषोत्तम मास के दौरान विशेष धार्मिक आयोजन किए जाते हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस पवित्र महीने में अन्नदान, वस्त्रदान, गौसेवा, जरूरतमंदों की सहायता तथा धार्मिक ग्रंथों के अध्ययन को विशेष महत्व दिया गया है। कई श्रद्धालु विष्णु सहस्त्रनाम, भगवद गीता और श्रीमद् भागवत का नियमित पाठ कर पुण्य अर्जित करते हैं। तुलसी पूजा और दीपदान भी इस अवधि में शुभ माने जाते हैं।

अब अधिकमास अपने अंतिम चरण में है। ऐसे में धर्म विशेषज्ञ लोगों से इन दिनों का सदुपयोग भक्ति, सेवा और सत्कर्मों में लगाने की अपील कर रहे हैं। 15 जून को अधिकमास समाप्त होते ही विवाह, गृह प्रवेश और अन्य मांगलिक कार्यों के लिए शुभ मुहूर्तों का सिलसिला फिर शुरू हो जाएगा। यही कारण है कि कई परिवार अभी से अपनी तैयारियों में जुट गए हैं। अधिकमास के समापन के साथ धार्मिक उल्लास और मांगलिक आयोजनों की रौनक एक बार फिर लौटती दिखाई देगी।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: कल कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आत्मविश्वास बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में लाभ के संकेत हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा।

वृषभ: धन संबंधी मामलों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। रुका हुआ कार्य पूरा होगा। परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा। नौकरीपेशा लोगों को प्रशंसा मिल सकती है। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

मिथुन: कल आपके विचारों को सराहना मिलेगी। व्यापार में नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं। किसी पुराने विवाद का समाधान निकलने की संभावना है।

कर्क: आत्मविश्वास और ऊर्जा में वृद्धि होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ सकती है। परिवार में सुखद माहौल रहेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। भावनाओं में बहकर कोई बड़ा फैसला लेने से बचें।

सिंह: कार्यस्थल पर मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। धन निवेश सोच-समझकर करें। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। परिवार के किसी सदस्य से शुभ समाचार मिलने की संभावना है।

कन्या: आय के नए स्त्रोत बनने के संकेत हैं। व्यापार में लाभ मिल सकता है। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। परिवार के साथ आनंददायक समय बिताएंगे। किसी महत्वपूर्ण योजना पर काम शुरू कर सकते हैं।

तुला: करियर में उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक मामलों में स्थिति बेहतर रहेगी। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। नई जिम्मेदारियों को आत्मविश्वास के साथ पूरा करने का प्रयास करें।

वृश्चिक: भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। धार्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। निवेश से लाभ मिल सकता है। परिवार के साथ संबंध मधुर बने रहेंगे।

धनु: कल संयम और धैर्य से काम लेना लाभकारी रहेगा। आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। कार्यक्षेत्र में मेहनत का फल मिलेगा। किसी प्रिय व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है।

मकर: पारिवारिक जीवन में खुशियां बढ़ेंगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय में लाभ के अवसर बनेंगे। सामाजिक कार्यों में भागीदारी बढ़ सकती है। पुराने मित्रों से संपर्क होने के योग हैं।

कुंभ: प्रतिस्पर्धी माहौल में सफलता मिलने के संकेत हैं। नौकरी और व्यापार में प्रगति होगी। विरोधियों पर बढ़त बना पाएंगे। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। किसी नई योजना से भविष्य में लाभ मिलने की संभावना है।

मीन: प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक लाभ के अवसर बन सकते हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा। विद्यार्थियों और कलाकारों के लिए दिन विशेष रूप से शुभ रहेगा।

गुरु-शुक्र की युति से चमकेगा भाग्य, आएंगे सुनहरे अवसर

यूनिक समय, मथुरा। जून माह में बनने जा रहा गजलक्ष्मी राजयोग कई राशियों के लिए शुभ संकेत लेकर आ रहा है। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार 8 जून 2026 को शुक्रग्रह कर्क राशि में प्रवेश करेंगे, जहां पहले से ही देवगुरु बृहस्पति विराजमान हैं। इन दोनों शुभ ग्रहों की युति से गजलक्ष्मी राजयोग का निर्माण होगा, जिसका प्रभाव 4 जुलाई तक देखने को मिलेगा।

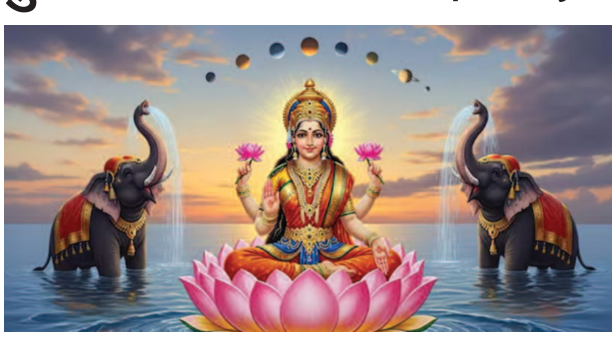

ज्योतिष शास्त्र में शुक्र को सुख, वैभव, प्रेम और भौतिक समृद्धि का कारक माना जाता है, जबकि गुरु ज्ञान, धन, सौभाग्य और उन्नति के प्रतीक हैं। जब ये दोनों ग्रह एक साथ आते हैं तो जीवन में सकारात्मक परिवर्तन, आर्थिक मजबूती और सफलता के नए अवसर पैदा होते हैं। यही कारण है कि गजलक्ष्मी राजयोग को अत्यंत शुभ योगों में गिना जाता है। इस राजयोग का प्रभाव सभी 12 राशियों पर अलग-अलग रूप में दिखाई देगा। मेष राशि के जातकों को करियर में नई जिम्मेदारियां और सम्मान मिलने के संकेत हैं। वृषभ राशि वालों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है, जबकि मिथुन राशि के लोगों के रुके हुए कार्य गति पकड़ सकते हैं। कर्क राशि के जातकों को आत्मविश्वास और सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि का लाभ मिल सकता है। सिंह और कन्या राशि के लिए भी यह समय लाभकारी माना जा रहा है। व्यापार, निवेश और आय के नए स्त्रोत बनने की संभावनाएं बढ़ेंगी। वहीं तुला, वृश्चिक और मकर राशि के जातकों को करियर और पारिवारिक जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। कुंभ राशि के लोग प्रतिस्पर्धी परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं, जबकि मीन राशि वालों के लिए प्रेम, रचनात्मक कार्यों और धन संबंधी मामलों में यह समय विशेष रूप से अनुकूल रहेगा। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस अवधि में माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु की पूजा करना शुभ माना गया है। शुक्रवार को सफेद वस्तुओं का दान, सुगंधित पुष्प अर्पित करना और सकारात्मक सोच बनाए रखना लाभदायक हो सकता है। हालांकि किसी भी योग का प्रभाव व्यक्ति की जन्म कुंडली और ग्रह दशा पर भी निर्भर करता है। इसलिए व्यक्तिगत भविष्यफल के लिए विशेषज्ञ की सलाह लेना उचित माना जाता है।

इन तारीखों में जन्म लेने वाले होते हैं सलाह देने में माहिर

यूनिक समय, मथुरा। जीवन में अक्सर ऐसे लोगों की जरूरत पड़ती है जो मुश्किल समय में सही मार्गदर्शन दे सकें। कुछ लोग अपनी समझदारी, धैर्य और अनुभव के कारण दूसरों की समस्याओं का समाधान आसानी से निकाल लेते हैं। अंक ज्योतिष के अनुसार कुछ विशेष मूलांक वाले लोगों में यह गुण जन्मजात होता है। उनकी सलाह न केवल लोगों को सही दिशा दिखाती है, बल्कि कई बार बड़ी परेशानियों का समाधान भी बन जाती है।

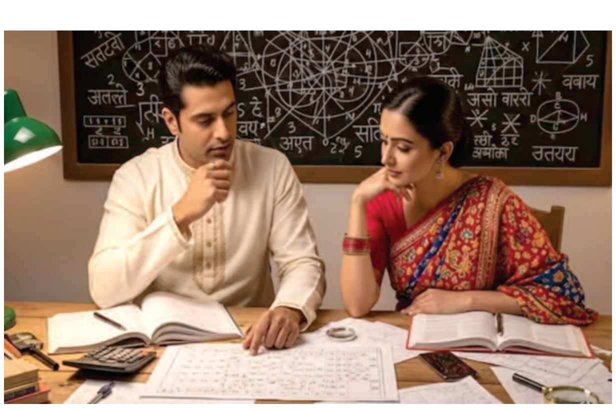

अंक शास्त्र के मुताबिक किसी व्यक्ति की जन्मतिथि उसके स्वभाव और व्यक्तित्व पर गहरा प्रभाव डालती है। विशेष रूप से मूलांक 2, 4, 5, 6 और 7 वाले लोग सलाह देने और दूसरों का मार्गदर्शन करने में बेहद कुशल माने जाते हैं।

मूलांक 2 वाले लोग, जिनका जन्म 2, 11, 20 या 29 तारीख को हुआ हो, चंद्रमा के प्रभाव में रहते हैं। ये भावुक, संवेदनशील और दूसरों की भावनाओं को समझने वाले होते हैं। लोग अक्सर अपनी निजी समस्याएं इनके साथ साझा करने में सहज महसूस करते हैं क्योंकि ये बिना किसी पूर्वाग्रह के उनकी बात सुनते हैं और संतुलित सलाह देते हैं। वहीं मूलांक 4 वाले जातक व्यावहारिक सोच रखने वाले होते हैं। 4, 13, 22 और 31 तारीख को जन्मे लोग समस्याओं को तार्किक दृष्टिकोण से देखते हैं। करियर, व्यापार और आर्थिक मामलों में उनकी सलाह काफी उपयोगी मानी जाती है। वे भावनाओं से अधिक तथ्यों पर भरोसा करते हैं।

मूलांक 5 के स्वामी बुध ग्रह माने जाते हैं। 5, 14 और 23 तारीख को जन्मे लोग तेज बुद्धि और प्रभावशाली संवाद क्षमता के धनी होते हैं। वे जटिल परिस्थितियों को सरल भाषा में समझाने और लोगों को नया नजरिया देने में सक्षम होते हैं। मूलांक 6 वाले लोग रिश्तों को मजबूत बनाने और भावनात्मक सहारा देने में आगे रहते हैं। 6, 15 और 24 तारीख को जन्मे लोगों का स्वभाव सहयोगी और देखभाल करने वाला होता है। वहीं मूलांक 7 के जातक गहरी सोच और आध्यात्मिक दृष्टिकोण के लिए जाने जाते हैं। उनकी सलाह अक्सर जीवन की उलझनों में नई राह दिखाती है।

अंक ज्योतिष के अनुसार इन मूलांकों के लोग भरोसेमंद मित्र, अच्छे मार्गदर्शक और संकट के समय सही सलाह देने वाले माने जाते हैं। यही वजह है कि लोग कठिन परिस्थितियों में उनकी राय को विशेष महत्व देते हैं।

सम्पादकीय

हादसे नहीं, व्यवस्था की राख में सुलगता देश

दिल्ली के मालवीय नगर स्थित होटल में लगी भीषण आग ने 21 लोगों की जान ले ली। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट, अवैध निर्माण, लाइसेंस की अनियमितता और सुरक्षा मानकों की अनदेखी जैसी बातें सामने आ रही हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह केवल एक होटल की लापरवाही थी, या फिर उस व्यवस्था का चेहरा है जो हर हादसे के बाद जागती है और कुछ दिनों बाद फिर सो जाती है? व्यंग्य यह है कि जिस होटल को छह कमरों की अनुमति मिली थी, वहां 26 कमरे संचालित हो रहे थे। चाय की दुकान के लाइसेंस पर होटल चल रहा था, बेसमेंट में किचन था, ऊपर भी किचन था और सुरक्षा शायद भगवान भरोसे। लगता है नियम–कानून भी आजकल केवल फाइलों में रहने लगे हैं, जबकि वास्तविक दुनिया में उनका प्रवेश प्रतिबंधित है। दिल्ली का यह हादसा किसी एक शहर की कहानी नहीं है। देश के लगभग हर बड़े शहर में ऐसे हजारों भवन, होटल, अस्पताल, कोचिंग सेंटर और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स मौजूद हैं, जहां अग्निशमन नियमों का पालन केवल निरीक्षण के दिन होता है। निरीक्षण करने वाले आते हैं, कागज देखते हैं, हस्ताक्षर करते हैं और व्यवस्था फिर चैन की नींद सो जाती है। जब तक कोई आग, दुर्घटना या त्रासदी उसे झकझोर न दे। सूरत का कोचिंग सेंटर अग्निकांड, राजकोट का गेम जोन हादसा, कोलकाता और मुंबई की इमारतों में लगी आग, तथा विभिन्न राज्यों के अस्पतालों में हुए अग्निकांड हमें बार–बार यही संदेश देते हैं कि हमने सबक कम और संवेदनाएं ज्यादा व्यक्त की हैं। हर दुर्घटना के बाद जांच समिति बनती है, रिपोर्ट आती है, जिम्मेदार तय होते हैं और फिर अगली त्रासदी तक सब कुछ सामान्य हो जाता है। सबसे दुखद तथ्य यह है कि अधिकतर मौतें आग से नहीं, बल्कि दम घुटने से हुईं। यानी लोगों को बचाने की व्यवस्था ही नहीं थी। आपातकालीन निकास, फायर अलार्म, धुआं नियंत्रण प्रणाली और नियमित सुरक्षा ऑडिट जैसे शब्द केवल नियम पुस्तिका की शोभा बढ़ाते दिखाई देते हैं। देश को अब हादसों पर शोक संदेशों से आगे बढ़ना होगा। लाइसेंस देने वाले विभागों की जवाबदेही तय करनी होगी, सुरक्षा मानकों का डिजिटल और पारदर्शी ऑडिट करना होगा तथा उल्लंघन पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी। अन्यथा हर अग्निकांड के बाद राख से वही प्रश्न उठेगा–आग शॉर्ट सर्किट से लगी थी या व्यवस्था की लापरवाही से? क्योंकि सच यही है कि जब नियमों को नजरअंदाज करने की आदत बन जाए, तब आग केवल इमारतों में नहीं लगती, पूरे तंत्र की विश्वसनीयता भी जलने लगती है।

पवन गौतम
संपादक

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

बैंकों की कमाई बढ़ी, ग्राहकों का भरोसा घटा

बोध प्रकाश सगुणी

भारत में बैंकिंग व्यवस्था केवल धन जमा करने और निकालने की सुविधा नहीं है, बल्कि यह करोड़ों लोगों के सपनों, सुरक्षा और आर्थिक भविष्य का आधार भी है। गांव का किसान हो, शहर का कर्मचारी, छोटा व्यापारी हो या पेंशन पर निर्भर बुजुर्ग, हर व्यक्ति अपने जीवन की मेहनत की कमाई बैंक में इसलिए जमा करता है क्योंकि उसे विश्वास होता है कि उसका पैसा सुरक्षित रहेगा। यही भरोसा भारतीय बैंकिंग व्यवस्था की सबसे बड़ी पूंजी रहा है। लेकिन हाल के वर्षों में यह पूंजी धीरे–धीरे कमजोर होती दिखाई दे रही है। सवाल यह नहीं है कि बैंकिंग व्यवस्था संकट में है, बल्कि यह है कि क्या बैंक अपने मूल उद्देश्य से दूर होते जा रहे हैं?

एक समय था जब बैंकों को सेवा और विश्वास की संस्था माना जाता था। बैंक कर्मचारियों और ग्राहकों के बीच संबंध औपचारिक होने के बावजूद आत्मीयता से भरे होते थे। लोग बैंक को अपने आर्थिक जीवन का संरक्षक समझते थे। लेकिन बदलते समय के साथ बैंकिंग क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ी, निजीकरण का विस्तार हुआ और लाभ कमाने की दौड़ तेज हो गई। इसका सकारात्मक प्रभाव यह हुआ कि सेवाएं तेज और आधुनिक हुईं, लेकिन नकारात्मक असर यह हुआ कि ग्राहक कई बार केवल एक उपभोक्ता बनकर रह गया। आज बैंक केवल बचत खाते और ऋण तक सीमित नहीं हैं। वे बीमा, म्यूचुअल फंड, निवेश योजनाएं और कई तरह के वित्तीय उत्पाद बेच रहे हैं। यह विस्तार आर्थिक दृष्टि से उचित है, लेकिन जब बिक्री का दबाव सेवा से अधिक महत्वपूर्ण हो जाए तो समस्या पैदा होती है। कई बार ग्राहकों को ऐसे उत्पाद बेच दिए जाते हैं जिनकी उन्हें पूरी जानकारी नहीं होती। कुछ मामलों में लोगों को यह भी पता नहीं होता कि उन्होंने किस योजना में निवेश किया है या किन शर्तों को स्वीकार किया है। इससे बैंक और ग्राहक के बीच विश्वास की दीवार कमजोर होने लगती है। डिजिटल युग ने बैंकिंग को पहले से कहीं अधिक आसान बनाया है। यूपीआई, नेट बैंकिंग, मोबाइल ऐप और ऑनलाइन लेन–देन ने लोगों की जिंदगी बदल दी है। आज मिनटों में पैसा एक खाते से दूसरे खाते में पहुंच जाता है। बैंकिंग सेवाएं चौबीस घंटे उपलब्ध हैं। लेकिन तकनीक के इस चमकदार चेहरे के पीछे कुछ ऐसी समस्याएं भी हैं जो ग्राहकों को परेशान कर रही हैं। कई ग्राहकों की शिकायत रहती है कि उनके खातों से विभिन्न प्रकार के शुल्क काट लिए जाते हैं, जिनकी जानकारी उन्हें पहले नहीं होती। कभी एसएमएस शुल्क, कभी न्यूनतम शेष राशि का जुर्माना, कभी सेवा शुल्क और कभी ऋण संबंधी खर्च। कई बार ये कटौतियां इतनी जटिल भाषा में दर्ज होती हैं कि आम व्यक्ति समझ ही नहीं पाता कि पैसा आखिर गया कहां। रकम छोटी हो सकती है, लेकिन इससे पैदा होने वाला अविश्वास बड़ा होता है। सबसे अधिक चिंता तब होती है जब ऋण से जुड़े शुल्क सीधे बचत खाते से काट लिए जाते हैं। ग्राहक को लगता है कि उसका ऋण खाता अलग है और बचत खाता अलग, लेकिन बैंकिंग प्रक्रियाओं की जटिलता के कारण कई बार उसे स्पष्ट जानकारी नहीं मिलती। यह केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि पारदर्शिता की समस्या है। जब ग्राहक अपने ही खाते की स्थिति को स्पष्ट रूप से न समझ सके, तो उसके मन में संदेह पैदा होना स्वाभाविक है। दरअसल, बैंकिंग का आधार केवल नियम नहीं, बल्कि नैतिकता भी है। किसी भी वित्तीय संस्था की विश्वसनीयता उसके व्यवहार से बनती है। ग्राहक यह महसूस करना चाहता है कि बैंक उसका सहयोगी है, केवल कमाई का साधन नहीं। यदि बैंक ग्राहक को राजस्व के स्रोत की तरह देखने लगें, तो भरोसा कमजोर पड़ना तय है। भारतीय रिजर्व बैंक समय–समय पर ग्राहकों के हितों की रक्षा के लिए दिशा–निर्देश जारी करता है। ब्याज दरों की पारदर्शिता, दंडात्मक शुल्कों पर नियंत्रण, शिकायत निवारण व्यवस्था और फेयर प्रैक्टिस कोड जैसे कई नियम लागू किए गए हैं। इन नियमों का उद्देश्य बैंकिंग व्यवस्था को अधिक उत्तरदायी और ग्राहक हितैषी बनाना है। लेकिन नियम बनाना और उन्हें प्रभावी रूप से लागू करना दो अलग बातें हैं। देश की अदालतों ने भी कई बार ग्राहकों के अधिकारों की रक्षा की है। न्यायपालिका ने स्पष्ट किया है कि अनुचित शुल्क, अत्यधिक ब्याज दरें और ग्राहकों को भ्रमित करने वाली प्रक्रियाएं स्वीकार्य नहीं हैं। कई मामलों में अदालतों ने बैंकों को पारदर्शी व्यवहार अपनाने का निर्देश दिया है। इसके बावजूद शिकायतों का सिलसिला पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। इस स्थिति के पीछे एक बड़ा कारण वित्तीय जानकारी की कमी भी है। भारत में बड़ी संख्या में लोग अभी भी बैंकिंग नियमों और वित्तीय उत्पादों की जटिलताओं को पूरी तरह नहीं समझते। कई लोग दस्तावेज पढ़े बिना हस्ताक्षर कर देते हैं। कई ग्राहक खाते की शर्तों और शुल्कों को जानने का प्रयास ही नहीं करते। इसका लाभ कभी–कभी संस्थागत व्यवस्था उठा लेती है। यहीं पर वित्तीय साक्षरता की आवश्यकता सामने आती है। जिस तरह पढ़ना–लिखना जीवन के लिए आवश्यक है, उसी तरह आज वित्तीय ज्ञान भी जरूरी हो गया है। लोगों को यह समझना होगा कि बैंक खाते की शर्तें क्या हैं, ऋण की वास्तविक लागत कितनी है, निवेश उत्पादों में जोखिम क्या हैं और शिकायत होने पर उन्हें कहां संपर्क करना चाहिए। बैंकिंग व्यवस्था में भरोसा बहाल करने के लिए केवल ग्राहकों को जागरूक बनाना पर्याप्त नहीं होगा। बैंकों को भी अपनी कार्यसंस्कृति में बदलाव लाना होगा। ग्राहक सेवा को फिर से प्राथमिकता देनी होगी। हर शुल्क की स्पष्ट जानकारी देना, सरल भाषा में दस्तावेज उपलब्ध कराना और शिकायतों का त्वरित समाधान करना आवश्यक है। इसके साथ ही नियामक संस्थाओं को भी अधिक सक्रिय भूमिका निभानी होगी। केवल दिशा–निर्देश जारी कर देना पर्याप्त नहीं है। नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों पर प्रभावी कार्रवाई होनी चाहिए। जब तक जवाबदेही सुनिश्चित नहीं होगी, तब तक सुधार अधूरे रहेंगे। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। डिजिटल भुगतान और बैंकिंग समावेशन के क्षेत्र में देश ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। करोड़ों नए बैंक खाते खुले हैं और वित्तीय सेवाएं गांव–गांव तक पहुंची हैं। लेकिन इस सफलता को स्थायी बनाने के लिए विश्वास का मजबूत बने रहना जरूरी है। यदि किसी ग्राहक को यह महसूस होने लगे कि उसका पैसा सुरक्षित तो है, लेकिन उसके साथ पारदर्शी व्यवहार नहीं हो रहा, तो यह बैंकिंग व्यवस्था के लिए खतरे की घंटी है। आर्थिक विकास केवल तकनीक और निवेश से नहीं होता, बल्कि संस्थाओं पर जनता के विश्वास से भी होता है। बैंकों को यह समझना होगा कि उनकी सबसे बड़ी संपत्ति उनकी इमारतें, शाखाएं या मुनाफा नहीं हैं। उनकी वास्तविक पूंजी वह भरोसा है जो करोड़ों लोग उन पर करते हैं। यही भरोसा उन्हें अन्य संस्थाओं से अलग बनाता है। यदि यह विश्वास कमजोर पड़ता है, तो उसका प्रभाव केवल बैंकों पर नहीं बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।

अंततः बैंकिंग व्यवस्था की सफलता का मापदंड केवल लाभ नहीं होना चाहिए, बल्कि यह होना चाहिए कि ग्राहक कितना सुरक्षित, सम्मानित और संतुष्ट महसूस करता है। पारदर्शिता, जवाबदेही और नैतिकता ही वह आधार हैं जिन पर मजबूत बैंकिंग व्यवस्था खड़ी होती है। बैंक और ग्राहक के बीच विश्वास का रिश्ता जितना मजबूत होगा, देश की आर्थिक नींव भी उतनी ही मजबूत होगी। क्योंकि बैंकिंग केवल पैसों का लेन–देन नहीं, बल्कि विश्वास का वह अनुबंध है जिस पर आधुनिक अर्थव्यवस्था की पूरी इमारत खड़ी होती है।

विचार विण्डो

पंजाब निकाय चुनावों ने बदले सियासी समीकरण

राम प्रकाश वर्मा

पंजाब के त्रिस्तरीय शहरी निकाय चुनावों के नतीजों ने राज्य की राजनीति में नए समीकरणों को जन्म दिया है। नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायतों के लिए हुए इन चुनावों को केवल स्थानीय निकायों का चुनाव मानना बड़ी भूल होगी। राजनीतिक विश्लेषकों की नजर में यह चुनाव वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल साबित हुआ है। चुनाव परिणामों ने स्पष्ट संकेत दिया है कि पंजाब की राजनीति तेजी से बदल रही है और मतदाता अब पारंपरिक राजनीतिक दलों से आगे बढ़कर प्रदर्शन और जवाबदेही के आधार पर निर्णय लेने लगे हैं। करीब 102 शहरी निकायों में हुए मतदान में जनता ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। मतदाताओं की सक्रियता ने यह साबित किया कि स्थानीय प्रशासन से जुड़े मुद्दे अब लोगों के लिए बेहद महत्वपूर्ण हो चुके हैं। चुनाव परिणामों में आम आदमी पार्टी ने सबसे बड़ी जीत दर्ज कर राजनीतिक बढ़त हासिल की, जबकि कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरती दिखाई दी। दूसरी ओर शिरोमणि अकाली दल और भाजपा को सीमित सफलता मिली, जबकि निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी कई क्षेत्रों में प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

सबसे बड़ा संदेश आम आदमी पार्टी के पक्ष में गया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार के लिए यह चुनाव जनविश्वास की परीक्षा था। सत्ता में आने के बाद पहली बार शहरी क्षेत्रों में जनता ने पार्टी के कामकाज पर अपनी राय दी और परिणामों से संकेत मिला कि फिलहाल मतदाताओं का भरोसा सरकार पर बना हुआ है। आप ने न केवल सीटों में बढ़त बनाई बल्कि वोट प्रतिशत के स्तर पर भी अपने प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ दिया। इससे पार्टी को 2027 विधानसभा चुनाव से पहले मनोवैज्ञानिक बढ़त मिल गई है।

हालांकि यह जीत आप के लिए पूरी तरह चिंता मुक्त नहीं है। राज्य में नशे की समस्या, कानून–व्यवस्था, बेरोजगारी और प्रशासनिक कार्यशैली को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। आने वाले समय में यदि सरकार इन मुद्दों पर प्रभावी समाधान नहीं दे पाती है तो यही मुद्दे उसके लिए राजनीतिक चुनौती बन सकते हैं। कांग्रेस के लिए यह चुनाव मिश्रित परिणाम लेकर आया है। पार्टी सत्ता से दूर होने के बावजूद कई क्षेत्रों में मजबूत विपक्ष के रूप में

दिखाई दी। हालांकि वह आम आदमी पार्टी को कड़ी चुनौती देने में सफल नहीं रही, लेकिन उसने यह जरूर साबित किया कि पंजाब की राजनीति में उसका अस्तित्व अभी समाप्त नहीं हुआ है। कांग्रेस के लिए राहत की बात यह है कि वह अनेक निकायों में दूसरे स्थान पर रही और मुख्य विपक्षी दल की भूमिका निभाने की स्थिति में है। यदि पार्टी संगठनात्मक एकजुटता बनाए रखने में सफल रहती है तो आगामी विधानसभा चुनाव में वह मुकाबले को रोचक बना सकती है। शिरोमणि अकाली दल के लिए यह चुनाव पुनर्जीवन की परीक्षा था। किसान आंदोलन के बाद कमजोर हुई पार्टी अपनी पुरानी राजनीतिक जमीन वापस पाने की कोशिश कर रही है। चुनाव परिणामों से संकेत मिला कि ग्रामीण और सिख बहुल क्षेत्रों में अकाली दल को कुछ समर्थन जरूर मिला है, लेकिन शहरी इलाकों में उसकी पकड़ अभी भी कमजोर बनी हुई है। पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती युवाओं और नए मतदाताओं को आकर्षित करने की है।

भारतीय जनता पार्टी के लिए पंजाब अभी भी राजनीतिक विस्तार की प्रयोगशाला बना हुआ है। पार्टी लगातार शहरी हिंदू वोट बैंक और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों के सहारे अपनी मौजूदगी मजबूत करने का प्रयास कर रही है। हालांकि इस चुनाव में भाजपा कोई बड़ा राजनीतिक चमत्कार नहीं कर सकी, लेकिन उसने कुछ क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। भाजपा की रणनीति दीर्घकालिक नजर आती है और वह भविष्य में अधिक आक्रामक राजनीतिक अभियान के साथ मैदान में उतर सकती है। इन चुनावों का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि पंजाब की राजनीति अब पूरी तरह बहुकोणीय हो चुकी है। एक समय कांग्रेस और अकाली दल के बीच सीमित रहने वाला राजनीतिक मुकाबला अब कई दलों के बीच बंट चुका है। आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, भाजपा, अकाली दल और बहुजन समाज पार्टी सभी अपने–अपने राजनीतिक आधार को मजबूत करने में जुटे हैं। इसका सीधा अर्थ है कि भविष्य के चुनावों में गठबंधन और सीटों के तालमेल की राजनीति फिर महत्वपूर्ण हो सकती है।

क्षेत्रीय द ष्टि से देखें तो चुनावों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पंजाब के मतदाता अब केवल सड़क, बिजली और पानी जैसे पारंपरिक मुद्दों तक सीमित नहीं हैं। नशा, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, प्रशासनिक जवाबदेही और कानून–व्यवस्था जैसे विषय भी चुनावी फैसलों को प्रभावित कर रहे हैं। इससे राजनीतिक दलों पर बेहतर शासन देने का दबाव बढ़ेगा।

राष्ट्रीय स्तर पर भी इन परिणामों के महत्वपूर्ण संकेत हैं। पंजाब उन राज्यों में शामिल है जहां क्षेत्रीय राजनीति राष्ट्रीय दलों को कड़ी चुनौती दे रही है। आम आदमी पार्टी की सफलता यह दर्शाती है कि मजबूत क्षेत्रीय नेतृत्व और स्थानीय मुद्दों के सहारे राष्ट्रीय दलों को चुनौती दी जा सकती है। इससे विपक्षी राजनीति के भीतर भी नए समीकरण बनने की संभावना है। कांग्रेस और आप के बीच जारी प्रतिस्पर्धा राष्ट्रीय विपक्षी एकता के लिए चुनौती बन सकती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पंजाब के चुनावों पर नजर रहती है। कनाडा, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देशों में बड़ी संख्या में बसे प्रवासी पंजाबी राज्य की राजनीतिक गतिविधियों में गहरी रुचि रखते हैं। पंजाब के चुनाव परिणाम वहां की राजनीतिक चर्चाओं को भी प्रभावित करते हैं। इसके अलावा सीमावर्ती राज्य होने के कारण पंजाब की राजनीतिक स्थिरता राष्ट्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण मानी जाती है। कुल मिलाकर पंजाब निकाय चुनाव 2026 ने यह स्पष्ट कर दिया है कि राज्य की राजनीति एक नए दौर में प्रवेश कर चुकी है। आम आदमी पार्टी फिलहाल सबसे मजबूत स्थिति में दिखाई दे रही है, लेकिन विपक्ष पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।

कांग्रेस अपनी जमीन बचाने में जुटी है, अकाली दल वापसी की राह तलाश रहा है और भाजपा विस्तार की रणनीति पर काम कर रही है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि पंजाब के ये चुनाव केवल स्थानीय प्रतिनिधियों के चयन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उन्होंने 2027 के विधानसभा चुनाव की दिशा और राजनीतिक तापमान दोनों तय कर दिए हैं। आने वाले महीनों में राज्य की राजनीति और अधिक दिलचस्प होने वाली है।

टीम इंडिया को लग सकता है एक और बड़ा झटका

अफगानिस्तान वनडे सीरीज से बाहर हो सकते हैं रोहित शर्मा

यूनिक समय, नई दिल्ली। हार्दिक पांड्या की उपलब्धता पर भी बना संशय अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज से पहले भारतीय क्रिकेट टीम की तैयारियों के बीच एक बड़ी खबर सामने आ रही है। पहले विराट कोहली की उपलब्धता को लेकर चर्चा थी और अब कप्तान रोहित शर्मा के खेलने पर भी सस्पेंस गहराता नजर आ रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक रोहित शर्मा को इस सीरीज से आराम दिया जा सकता है, जबकि स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की स्थिति भी अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। भारतीय टीम प्रबंधन आने वाले बड़े टूर्नामेंटों को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों के वर्कलोड मैनेजमेंट पर खास फोकस कर रहा है। लगातार क्रिकेट खेलने के कारण वरिष्ठ खिलाड़ियों को समय-समय पर आराम देने की रणनीति अपनाई जा रही है। इसी वजह से रोहित शर्मा को भी अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से ब्रेक दिए जाने की संभावना जताई जा रही है। यदि रोहित शर्मा इस सीरीज में नहीं खेलते हैं तो टीम की कप्तानी किसे सौंपी जाएगी, इसको लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। माना जा रहा है कि चयनकर्ता युवा खिलाड़ियों को अधिक मौके देने के पक्ष में हैं। ऐसे में कई नए चेहरों को टीम में शामिल किया जा सकता है, जिससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खुद को साबित करने का अवसर मिलेगा। दूसरी ओर हार्दिक पंड्या की उपलब्धता भी चर्चा का विषय बनी हुई है। उनकी फिटनेस और कार्यभार को लेकर टीम मैनेजमेंट सावधानी बरतना चाहता है। अंतिम फैसला मेडिकल टीम और चयन समिति की रिपोर्ट के बाद ही लिया जाएगा। अगर हार्दिक भी इस सीरीज से बाहर रहते हैं तो भारतीय टीम के संतुलन पर असर पड़ सकता है। अफगानिस्तान के खिलाफ यह सीरीज भारतीय टीम के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि इससे आगामी बड़े टूर्नामेंटों की तैयारियों को दिशा मिलेगी। साथ ही युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर भी सभी की नजर रहेगी। फिलहाल रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या के भविष्य को लेकर आधिकारिक घोषणा का इंतजार है। भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को उम्मीद है कि जल्द ही तस्वीर साफ होगी और टीम पूरी मजबूती के साथ मैदान पर उतरती नजर आएगी। चयनकर्ताओं के फैसले पर अब सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

प्यार, विवाद और आरोप

रिश्ते के टूटने के बाद सामने आई थीं चौंकाने वाली बातें

यूनिक समय, नई दिल्ली। टीवी जगत के दो चर्चित नाम, शिल्पा शिंदे और सिद्धार्थ शुक्ला, एक समय अपने कथित रिश्ते को लेकर खूब सुर्खियों में रहे थे। हालांकि दोनों ने कभी सार्वजनिक रूप से अपने रिश्ते को खुलकर स्वीकार नहीं किया, लेकिन साल 2020 में शिल्पा शिंदे ने कई ऐसे बयान दिए थे जिन्होंने मनोरंजन जगत में हलचल मचा दी थी। शिल्पा शिंदे ने दावा किया था कि वह और सिद्धार्थ शुक्ला रिलेशनशिप में थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि रिश्ते के दौरान सिद्धार्थ का व्यवहार काफी आक्रामक और पजेसिव था। शिल्पा ने कहा था कि उनके बीच कई बार झगड़े हुए और उन्हें मानसिक व शारीरिक रूप से परेशानियों का सामना करना पड़ा। कुछ इंटरव्यू में उन्होंने यहां तक कहा कि एक बार उन्हें कार से बाहर निकाल दिया गया था और उनके साथ मारपीट भी हुई थी। इन आरोपों के बाद मामला काफी चर्चा में रहा, लेकिन सिद्धार्थ शुक्ला ने सीधे तौर पर इन दावों पर विस्तार से प्रतिक्रिया नहीं दी। उन्होंने केवल इतना कहा था कि ऐसी विवादित बातों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता और वह इन पर ध्यान नहीं देते। उस समय सोशल मीडिया पर भी इस मुद्दे को लेकर तीखी बहस देखने को मिली थी। कुछ लोगों ने शिल्पा के आरोपों का समर्थन किया, जबकि कई प्रशंसकों ने सिद्धार्थ का पक्ष लिया। हालांकि इन आरोपों को लेकर कोई कानूनी निष्कर्ष सामने नहीं आया और मामला मुख्य रूप से बयानों तक ही सीमित रहा। आज सिद्धार्थ शुक्ला इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनके जीवन और करियर से जुड़े कई किस्से समय-समय पर चर्चा में आते रहते हैं। शिल्पा शिंदे द्वारा लगाए गए ये आरोप भी उन्हीं विवादित अध्यायों में से एक हैं, जिन पर वर्षों बाद भी चर्चा होती रहती है।

फिल्म जगत को बड़ा झटका

नहीं रहे दिग्गज निर्माता पहलाज निहलानी

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री से एक दुखद खबर सामने आई है। जाने-माने फिल्म निर्माता और पूर्व सेंसर बोर्ड (ऊझउ) अध्यक्ष पहलाज निहलानी का 76 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। बताया जा रहा है कि वह पिछले कुछ समय से लिवर संबंधी बीमारी से जूझ रहे थे। उनके निधन से बॉलीवुड में शोक की लहर है और कई कलाकारों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है। पहलाज निहलानी ने अपने लंबे फिल्मी करियर में कई सफल और लोकप्रिय फिल्मों का निर्माण किया। उन्होंने ऐसे दौर में फिल्मों का निर्माण किया जब मसाला और पारिवारिक मनोरंजन वाली फिल्मों का बोलबाला था। उनकी फिल्मों ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल की, बल्कि कई कलाकारों के करियर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उन्हें खास तौर पर अभिनेता गोविंदा, अक्षय कुमार और सनी देओल जैसे सितारों को बड़े अवसर देने के लिए याद किया जाएगा। उनके बैनर तले बनी फिल्मों में आंखें, इल्जाम, आग ही आग, पाप की दुनिया, घायल, शोला और शबनम और जूली 2 जैसी कई चर्चित फिल्में शामिल हैं। परिवार की ओर से जारी बयान में बताया गया कि उनका अंतिम संस्कार मुंबई के सांताक्रुज हिंदू श्मशान घाट में किया गया। फिल्म जगत की कई हस्तियों ने उनके निधन को अपूरणीय क्षति बताया है। फिल्म निर्माण के अलावा पहलाज निहलानी ने वर्ष 2015 से 2017 तक केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (ऊझउ) के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। इस दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण फैसले लिए, जिनकी वजह से वह अक्सर चर्चा में रहे।पहलाज निहलानी का योगदान भारतीय सिनेमा के इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा। मनोरंजन जगत को नई दिशा देने वाले इस दिग्गज फिल्ममेकर की कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी।

रणवीर बनेंगे ललित मोदी?

बायोपिक को लेकर बढ़ी चर्चा

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल के पूर्व कमिश्नर ने खोले राज, बोले- रणवीर ने खुद जताई थी इच्छा आईपीएल के संस्थापक और पूर्व कमिश्नर ललित मोदी एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार वजह उनकी जिंदगी पर बनने वाली बायोपिक है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि उनकी जीवन यात्रा पर फिल्म बनाने की तैयारी चल रही है और इसकी स्क्रिप्ट पर तेजी से काम किया जा रहा है। सबसे दिलचस्प बात यह रही कि ललित मोदी ने अभिनेता रणवीर सिंह का नाम लेते हुए कहा कि रणवीर ने खुद उनकी भूमिका निभाने की इच्छा जताई थी। ललित के अनुसार, कुछ वर्ष पहले रणवीर उनसे लंदन में मिलने पहुंचे थे। उस दौरान उन्होंने कहा था कि अगर उन्हें किसी वास्तविक व्यक्ति का किरदार निभाने का मौका मिले, तो वह ललित मोदी की भूमिका निभाना पसंद करेंगे। ललित मोदी ने बताया कि फिलहाल फिल्म की कहानी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि रणवीर सिंह बेहतरीन अभिनेता हैं और यदि उनके पास समय हुआ तो वह उन्हें अपनी बायोपिक में देखना चाहेंगे। हालांकि अभी तक कास्टिंग को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। बायोपिक में ललित मोदी के कारोबारी सफर, आईपीएल की शुरुआत, विवादों और निजी जीवन के कई अहम पहलुओं को शामिल किए जाने की संभावना है। यही वजह है कि इस प्रोजेक्ट को लेकर लोगों की उत्सुकता बढ़ती जा रही है। फिल्मी दुनिया में अब चर्चा तेज है कि क्या रणवीर सिंह सचमुच इस चुनौतीपूर्ण किरदार को निभाएंगे। अगर ऐसा होता है, तो यह बायोपिक आने वाले समय की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बन सकती है।

8 बार टूटा सपना, फिर गूंजी किलकारी

45 की उम्र में जुड़वां बच्चों की मां बनीं संभावना सेठ

यूनिक समय, नई दिल्ली। टीवी और भोजपुरी इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री संभावना सेठ के घर आखिरकार खुशियों ने दस्तक दे दी है। 45 वर्ष की उम्र में संभावना सेठ जुड़वां बच्चों की मां बन गई हैं। लंबे इंतजार, कई असफल प्रयासों और भावनात्मक संघर्षों के बाद उन्हें मातृत्व का सुख मिला है। संभावना और उनके पति अविनाश द्विवेदी पिछले कई वर्षों से माता-पिता बनने का सपना देख रहे थे। इस सफर में उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। संभावना ने खुद बताया था कि उन्होंने 8 बार क्श प्रक्रिया करवाई, लेकिन हर बार निराशा ही हाथ लगी। इतना ही नहीं, उन्हें गर्भपात के दर्द से भी गुजरना पड़ा, जिसने इस संघर्ष को और भी कठिन बना दिया। लगातार असफलताओं के बावजूद दोनों ने उम्मीद नहीं छोड़ी। आखिरकार उन्होंने सरोगेसी का सहारा लिया और अब उनके घर एक बेटा और एक बेटी आए हैं। बच्चों के जन्म की खबर सामने आते ही परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों ने उन्हें शुभकामनाएं देना शुरू कर दिया। संभावना सेठ ने हमेशा अपने संघर्षों को खुलकर साझा किया है। उन्होंने कई बार बताया कि माता-पिता बनने की चाह में उन्हें शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से काफी कुछ झेला।

यही वजह है कि यह खुशी उनके लिए किसी चमत्कार से कम नहीं है। दस साल से अधिक वैवाहिक जीवन के बाद मिली यह खुशखबरी उनके परिवार के लिए बेहद खास है। संभावना और अविनाश ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उनका घर अब पूरी तरह से खुशियों से भर गया है। संभावना सेठ की कहानी उन हजारों दंपतियों के लिए प्रेरणा है जो माता-पिता बनने के लिए लंबा संघर्ष करते हैं। उनका सफर यह दिखाता है कि मुश्किलें कितनी भी बड़ी क्यों न हों, उम्मीद और धैर्य के साथ सपनों को पूरा किया जा सकता है।

कोच ने बताई विकेटकीपर स्टार की असली सोच

उपकप्तानी गई, लेकिन नहीं टूटा पंत का हौसला

यूनिक समय, नई दिल्ली। अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले टेस्ट मैच से पहले भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को लेकर कई तरह की चर्चाएं चल रही थीं। उपकप्तानी की जिम्मेदारी उनसे वापस लिए जाने के बाद अटकलें लगाई जा रही थीं कि शायद वह इस फैसले से नाराज हैं। हालांकि भारतीय टीम के सहायक कोच रयान टेन डोशेट ने इन सभी चर्चाओं पर विराम लगा दिया है। कोच ने साफ कहा कि ऋषभ पंत पूरी तरह सकारात्मक माहौल में हैं और टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उनके अनुसार पंत का फोकस किसी पद या जिम्मेदारी से ज्यादा अपने प्रदर्शन पर है। टीम प्रबंधन को भरोसा है कि वह आने वाले मुकाबलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। रयान टेन डोशेट ने पंत की बल्लेबाजी को लेकर भी अहम सलाह दी। उन्होंने कहा कि ऋषभ पंत जब अपनी स्वाभाविक शैली में खेलते हैं, तब सबसे ज्यादा खतरनाक बल्लेबाज साबित होते हैं। उन्हें अपनी आक्रामक मानसिकता बनाए रखते हुए परिस्थिति के अनुसार बल्लेबाजी करनी चाहिए। कोच का मानना है कि पंत में मैच का रुख बदलने की क्षमता है और यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। पिछले कुछ वर्षों में ऋषभ पंत ने भारतीय क्रिकेट में अपनी अलग पहचान बनाई है। टेस्ट क्रिकेट में उनके कई यादगार प्रदर्शन टीम इंडिया को मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकाल चुके हैं। चोट से वापसी के बाद भी उन्होंने शानदार खेल दिखाया और खुद को फिर से टीम का अहम सदस्य साबित किया। अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच में भी पंत पर सभी की नजरें रहेंगी। बल्लेबाजी क्रम में उनकी भूमिका काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। टीम प्रबंधन चाहता है कि वह बिना किसी अतिरिक्त दबाव के मैदान पर उतरें और अपनी प्राकृतिक शैली में खेलें। कोच के बयान से यह साफ हो गया है कि उपकप्तानी का मुद्दा टीम के अंदर कोई बड़ा विवाद नहीं बना है। ऋषभ पंत का पूरा ध्यान अब सिर्फ रन बनाने और टीम इंडिया को जीत दिलाने पर है। क्रिकेट प्रेमियों को उम्मीद है कि वह एक बार फिर अपने आक्रामक अंदाज से विपक्षी गेंदबाजों के लिए बड़ी चुनौती साबित होंगे।

हमीरपुर हादसा: तालाब में डूबे तीन मासूम

भाई-बहन समेत तीन बच्चों की मौत

यूनिक समय, हमीरपुर। हमीरपुर जिले के बिवांर थाना क्षेत्र के छानी खुर्द गांव में गुरुवार को एक दिल दहला देने वाला हादसा हो गया। गांव के बाहर स्थित तालाब में नहाते समय सगे भाई-बहन समेत तीन मासूम बच्चों की डूबने से मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर फैल गई है।

जानकारी के अनुसार, पार्वती देवी अपने तीन बच्चों शिवेंद्र (10), रुद्रांश (8) और मांडवी (5) के साथ तालाब किनारे कपड़े धोने गई थीं। इसी दौरान बच्चे पानी में नहाने लगे और खेलते-खेलते गहरे हिस्से में चले गए, जिससे वे डूबने लगे। मां कपड़े धोने में व्यस्त थीं, इसी बीच यह हादसा हो गया।

काफी देर तक बच्चों के दिखाई न देने पर ग्रामीणों ने तलाश शुरू की और तालाब से तीनों को बाहर निकाला। आनन-फानन में उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। वहीं, इस हादसे की खबर मिलते ही गांव में मातम छा गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौके पर एकत्र हो गए।

सीएम योगी ने जताया गहरा शोक

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दर्दनाक हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है और शोक संतप्त परिवार को हर संभव मदद देने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन द्वारा मामले की आवश्यक कार्रवाई की जा रही है और पूरे गांव में माहौल गमगीन बना हुआ है।

यूपी में शिक्षकों के अंतरजनपदीय तबादले शुरू

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने बेसिक शिक्षा परिषद के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों में शिक्षकों के एक जिले से दूसरे जिले में अंतरजनपदीय तबादलों को मंजूरी दे दी है। इस संबंध में बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है।

हालांकि, प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि तबादले सीमित और विशेष परिस्थितियों में ही किए जाएंगे। जनगणना कार्य को ध्यान में रखते हुए इस प्रक्रिया पर कुछ प्रतिबंध भी लगाए गए हैं।

आदेश के अनुसार, गंभीर बीमारी जैसे कैंसर, डायलिसिस या दिव्यांगता की स्थिति में शिक्षक अथवा उनके

बेसिक शिक्षा विभाग ने जारी किए आदेश

विशेष परिस्थितियों में ही होंगे तबादले

आश्रितों का तबादला किया जा सकता है। इसके अलावा यदि पति-पत्नी दोनों शिक्षक हैं तो शिक्षक-छात्र अनुपात के आधार पर एक को स्थानांतरित किया जा सकेगा।

विषम परिस्थितियों में मुख्यमंत्री के अनुमोदन से भी तबादले किए जा सकते हैं। यह आदेश अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा की ओर से जारी किया गया है।

यूपी में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

206 पीपीएस अफसरों का तबादला

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में डीजीपी मुख्यालय ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 206 पीपीएस (पुलिस उपाधीक्षक रैंक के अधिकारी) का तबादला कर दिया है। इस सूची में लखनऊ में तैनात करीब एक दर्जन अधिकारी भी शामिल हैं, जिनकी पोस्टिंग बदल दी गई है।

इसके साथ ही तीन पीसीएस (प्रांतीय सिविल सेवा) अधिकारियों के भी तबादले किए गए हैं और उन्हें नई जगह जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रशासनिक व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से यह व्यापक फेरबदल किया गया है।

तबादला सूची के अनुसार कई अधिकारियों को मुख्यमंत्री सुरक्षा, पीएसी (प्रांतीय सशस्त्र पुलिस), एटीएस (आतंकवाद निरोधी दस्ता)

लखनऊ समेत कई जिलों में नई तैनाती

तीन पीसीएस अफसरों को भी मिली जिम्मेदारी

और विभिन्न पुलिस कमिश्नरेट में भेजा गया है। वहीं कुछ अधिकारियों को लखनऊमें तैनात किया गया है, जबकि कुछ को अन्य जिलों में स्थानांतरित किया गया है।

लखनऊ समेत कई प्रमुख जिलों में बड़े स्तर पर बदलाव देखने को मिला है। अधिकारियों का कहना है कि यह नियमित प्रक्रिया के तहत किया गया रूटीन तबादला है, जिसका उद्देश्य प्रशासनिक कार्य प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाना है।

करंट लगने से पिता-पुत्र की दर्दनाक मौत

यूनिक समय, मऊ। मऊ जिले के रामपुर बेलौली थाना क्षेत्र के मोइद्दीनपुर गांव में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। घर में लगे टुल्लू पंप में करंट उतरने से महिला उसकी चपेट में आ गई। उसे बचाने के प्रयास में आए पिता और पुत्र भी करंट की चपेट में आ गए, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, मीना देवी सुबह नहाने के लिए टुल्लू पंप चालू करने गई थीं, तभी खराब केबल के कारण उसमें करंट आ गया। महिला को बचाने के लिए उनके पति देवेंद्र मिश्रा (48) और बेटा नीरज (26) तुरंत पहुंचे और बचाने की कोशिश की।

इस दौरान दोनों करंट की चपेट में

महिला की हालत गंभीर, अस्पताल में भर्ती

टुल्लू पंप बना मौत का कारण

आकर गंभीर रूप से झुलस गए। नीरज को सिर में भी गंभीर चोट लगी। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने पिता और पुत्र को मृत घोषित कर दिया।

महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है और उसका इलाज जिला अस्पताल में जारी है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बदायूं में दरोगा का शव कमरे में मिला, सुसाइड की आशंका

यूनिक समय, बदायूं। नगर कोतवाली क्षेत्र की मधुबन कॉलोनी में गुरुवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब कोर्ट सुरक्षा में तैनात एक दरोगा का शव उनके कमरे में रोशनदान की ग्रिल से फंदे के सहारे लटका मिला। मृतक की पहचान मेघश्याम गौतम (55) के रूप में हुई है, जो मूल रूप से मथुरा के गोविंदनगर क्षेत्र के निवासी थे।

पुलिस के अनुसार, शव जिस स्थिति में मिला वह घुटने के बल बैठी हुई पोजिशन जैसी थी। कमरे के दोनों दरवाजे अंदर से बंद थे और कोई सुसाइड नोट भी बरामद नहीं हुआ है। शुरुआती जांच में पुलिस ने आत्महत्या की आशंका जताई है। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए और मोबाइल फोन जब्त

रोशनदान की ग्रिल से लटका मिला शव

फॉरेंसिक जांच और कॉल डिटेल खंगाल रही पुलिस

कर कॉल डिटेल की जांच शुरू कर दी है। एसपी अंकिता शर्मा ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और परिजनों से पूछताछ के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

बताया जा रहा है कि मेघश्याम गौतम 1986 में पुलिस सेवा में भर्ती हुए थे और 2024 में बरेली से बदायूं स्थानांतरित हुए थे। परिवार में पत्नी, दो बेटे और एक बेटी हैं।

सीएम शुभेंदु पीए हत्याकांड: आरोपी मोनू ने किया सरेंडर

यूनिक समय, लखनऊ। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ हत्याकांड मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। मामले में आरोपी बनाए गए ज्ञानेंद्र सिंह मोनू ने गुरुवार को गैंगस्टर कोर्ट में सरेंडर कर दिया। वह बलिया जिले के बांसडीह रोड क्षेत्र के शीतल दवनी गांव का निवासी है।

जानकारी के अनुसार, मोनू पर हत्याकांड में इस्तेमाल की गई कार खरीदने और एक अन्य आरोपी को हथियार उपलब्ध कराने का आरोप है। इस मामले की जांच सीबीआई और यूपी एसटीएफ द्वारा संयुक्त रूप से की जा रही है। लंबे समय से उसकी तलाश जारी थी।

मोनू की पत्नी महिमा सिंह ने कहा कि उनके पति को गलत तरीके से फंसाया जा रहा है और उन्हें न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। उन्होंने सीबीआई जांच पर भरोसा जताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

सूत्रों के अनुसार, सरेंडर से कुछ समय पहले मोनू ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर खुद को निर्दोष बताते हुए आरोप लगाया कि उसे साजिश के तहत फंसाया जा रहा है। उसने गांव के एक व्यक्ति पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं।

जांच एजेंसियों के मुताबिक, मोनू पर कई

कोर्ट में पेश हुआ मुख्य आरोपी ज्ञानेंद्र सिंह मोनू

पत्नी ने बताया- पति निर्दोष सीबीआई जांच पर भरोसा

राज्यों में 12 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। इससे पहले भी वह कई विवादों में नामजद रहा है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच सभी पहलुओं से की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

फिलहाल मोनू की भूमिका की गहराई से जांच की जा रही है और अन्य आरोपियों की तलाश भी जारी है। पुलिस और सीबीआई टीम पूरे मामले की तह तक पहुंचने के लिए लगातार काम कर रही है।

प्रयागराज में सड़क हादसे में सपा नेता की मौत

यूनिक समय, प्रयागराज। सिविल लाइंस क्षेत्र में बुधवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में समाजवादी पार्टी की लोहिया वाहिनी के प्रदेश सचिव रत्नेश यादव की मौत हो गई, जबकि कार में सवार तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, रत्नेश यादव अपने दोस्तों के साथ खाना खाने के बाद घर लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह

तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराई, तीन घायल

क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में रत्नेश यादव को गंभीर चोटें आईं, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घायल तीन दोस्तों का इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच और सीसीटीवी फुटेज से यह एक सड़क दुर्घटना ही प्रतीत होती है। एसीपी सिविल लाइंस ने मामले की जांच जारी होने की बात कही है।

सुरक्षा सुपरवाइजर ने की आत्महत्या

यूनिक समय, लखनऊ। विकासनगर थाना क्षेत्र के सेक्टर-सी, सबोली में बुधवार देर रात एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां एक निजी सुरक्षा एजेंसी के सुपरवाइजर ने अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

मृतक की पहचान संदीप सिंह (52) के रूप में हुई है, जो 'श्री राम सिक्योरिटी एजेंसी' में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

परिजनों के अनुसार, संदीप सिंह शराब के नशे में थे और इसी दौरान उन्होंने यह कदम उठाया। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी

लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को मारी गोली

नशे की हालत में हुई दर्दनाक घटना

फैल गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नीम करोली बाबा और बुंदेलखंड फोर्ट सर्किट का विकास तय

यूनिक समय, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश की पर्यटन नीति-2022 की समीक्षा करते हुए राज्य में धार्मिक और ऐतिहासिक पर्यटन को नई दिशा देने के निर्देश दिए हैं। बैठक में नीम करोली बाबा सर्किट और बुंदेलखंड फोर्ट सर्किट के विकास को मंजूरी पर जोर दिया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना और विरासत का प्रमुख प्रतिनिधि प्रदेश है। पर्यटन को केवल आधारभूत ढांचे तक सीमित न रखते हुए इसे रोजगार सृजन, स्थानीय अर्थव्यवस्था और वैश्विक पहचान से जोड़ा जाए। बैठक में 'ज्ञान भारतम् मिशन' के तहत 13 लाख से अधिक पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण की प्रगति की भी समीक्षा की गई। सीएम ने इसे सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। इसके अलावा 'परंपरा' अनुभव केंद्र, कृषि पर्यटन और

सीएम योगी ने पर्यटन नीति पर दिए अहम निर्देश

सांस्कृतिक पुनर्जागरण और रोजगार पर जोर

वाइनयार्ड पर्यटन जैसी नई अवधारणाओं को बढ़ावा देने पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई पर्यटन नीति निवेश आकर्षित करने और रोजगार बढ़ाने में सहायक होगी।

मुजफ्फरपुर के निजी हॉस्पिटल में शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग

आईसीयू में आग से दस लोगों की मौत की आशंका, 20 घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के ब्रह्मपुरा इलाके में स्थित निजी 'प्रसाद हॉस्पिटल' में भीषण आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। गुरुवार तड़के हुई इस घटना का कारण प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। आग चौथे तल पर स्थित आईसीयू वार्ड में लगी, जहां कई गंभीर मरीज भर्ती थे।

सुबह करीब 3:20 बजे अचानक आईसीयू में धमाके जैसी आवाज सुनाई दी और देखते ही देखते आग पूरे वार्ड में फैल गई। बताया जा रहा है कि वेंटिलेटर और अन्य मेडिकल उपकरणों में शॉर्ट सर्किट होने से आग ने विकराल रूप ले लिया। इसके बाद पूरे आईसीयू में घना और जहरीला धुआं भर गया, जिससे मरीजों को सांस लेने में भारी परेशानी हुई। इस दर्दनाक हादसे में 10 लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है, हालांकि जिला प्रशासन ने अब तक 4 मौतों की आधिकारिक पुष्टि की

जिला प्रशासन ने अस्पताल परिसर को किया सील

है। करीब 20 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। कई मरीजों की हालत गंभीर बनी हुई है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना है।

घटना के दौरान अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठे हैं। परिजनों का आरोप है कि आपात स्थिति में फायर सेफ्टी सिस्टम और अग्निशमन उपकरण काम नहीं कर पाए, जबकि स्टाफ की मौजूदगी भी पर्याप्त नहीं थी। इस कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में देरी हुई और कई लोग फंस गए। सूचना मिलते ही दमकल विभाग, पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और करीब 20 मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाला। आग पर काबू पाने के बाद पूरे अस्पताल परिसर को एहतियातन सील कर दिया गया है।

मुजफ्फरपुर के जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन और एसएसपी ने मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। प्रशासन ने कहा है कि यदि अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही साबित होती है तो सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल जांच जारी है और राहत कार्य पूरा कर लिया गया है।

हैदराबाद कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में भीषण आग

अमीरपेट हेलमेट बाजार के एक तीन मंजिला भवन में लगी आग

दमकल की सात गाड़ियां मौके पर मौजूद

यूनिक समय, नई दिल्ली। हैदराबाद के अमीरपेट स्थित एक कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में गुरुवार को भीषण आग लग गई। यह आग हेलमेट बाजार के एक तीन मंजिला भवन में लगी, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की सात गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, अब तक किसी के हताहत या घायल होने की खबर नहीं है। दमकलकर्मियों की त्वरित कार्रवाई से आग को काफी हद तक नियंत्रित कर लिया गया है, हालांकि पूरी तरह से काबू पाने की कोशिश जारी है।

आग लगने के कारण इलाके में यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हुई है। अमीरपेट और रफ नगर के बीच का रास्ता बंद कर दिया गया, जिससे भारी जाम लग गया। ट्रैफिक पुलिस ने यात्रियों से वैकल्पिक मार्ग अपनाने की अपील की है।

स्थानीय लोगों ने इमारत से धुआं निकलते देख तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी थी। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

दिल्ली मालवीय नगर अग्निकांड का खुलासा

होटल की शॉर्ट सर्किट और खराब वायरिंग बनी हादसे की वजह

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित हौजरानी इलाके में हुए भीषण अग्निकांड को लेकर शुरुआती जांच में बड़ा खुलासा सामने आया है। सूत्रों और प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार आग लगने का मुख्य कारण शॉर्ट सर्किट और बिल्डिंग की खराब वायरिंग बताया जा रहा है। यह दर्दनाक घटना बुधवार सुबह हुई, जिसने पूरे क्षेत्र को हिला कर रख दिया।

जानकारी के मुताबिक, आग की शुरुआत इमारत के बेसमेंट में स्थित लेमन ग्रीन रेस्टोरेंट के किचन से हुई और देखते ही देखते पांच मंजिला इमारत में फैल गई। इस भवन में रेस्टोरेंट के साथ-साथ होमस्टे और पेइंग गेस्ट सुविधाएं भी संचालित हो रही थीं, जहां कई लोग ठहरे हुए थे। आग लगने की सूचना करीब पौने दस बजे मिली, लेकिन तब तक स्थिति बेहद गंभीर हो चुकी थी।

पहले सिलेंडर ब्लास्ट की आशंका जताई गई थी, लेकिन अधिकारियों ने इसे खारिज कर दिया है। घटनास्थल से एलपीजी विस्फोट के कोई सबूत नहीं मिले हैं। पुलिस और फोरेंसिक टीम मामले की तकनीकी जांच में जुटी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इमारत की खराब वायरिंग और सुरक्षा

मृतकों के परिवार को 10 लाख सहायता

घायलों को 5 लाख रुपये मिलेंगे

मानकों की अनदेखी के कारण आग तेजी से फैली और लोगों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। इस हादसे में 21 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 40 से अधिक लोग घायल हैं। फिलहाल जांच जारी है और रिपोर्ट का इंतजार है।

दिल्ली के मालवीय नगर स्थित हौजरानी इलाके में हुए भीषण अग्निकांड के बाद सरकार ने पीड़ितों के लिए मुआवजे की घोषणा की है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने साकेत के मैक्स अस्पताल में घायलों से मुलाकात कर उन्हें हरसंभव इलाज का भरोसा दिया। सरकार ने मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपये और गंभीर घायलों को 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है। इस बीच आरोपी लवकेश बजाज को कोर्ट में पेश किया जाएगा। प्रशासन आग लगने के कारणों की जांच कर रहा है, जिसमें शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई गई है।

गुजरात में अवैध प्रवासियों पर बड़ी कार्रवाई

एक दिन में 500 से अधिक हिरासत में लिए गए

ऑपरेशन डेल्टा हंट के तहत अभियान तेज

यूनिक समय, नई दिल्ली। गुजरात में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई सामने आई है। राज्य पुलिस ने 'ऑपरेशन डेल्टा हंट' के तहत एक ही दिन में 500 से अधिक कथित अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। यह कार्रवाई अहमदाबाद सहित कई जिलों में एक साथ चलाए गए समन्वित अभियान के दौरान की गई। पुलिस के अनुसार यह अभियान क्राइम ब्रांच, साइबर सेल और

स्थानीय थानों की टीमों द्वारा संयुक्त रूप से चलाया गया। कई इलाकों जैसे नरोदा, वटवा, दानिलिमदा और जुहापुरा में छापेमारी कर संदिग्धों को पकड़ा गया। अधिकारियों का कहना है कि हिरासत में लिए गए लोगों के दस्तावेजों और उनकी नागरिकता की जांच की जा रही है। जांच में यह भी सामने आया है कि कुछ लोगों ने कथित तौर पर फर्जी दस्तावेजों और आधार कार्ड का इस्तेमाल किया है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि ये दस्तावेज कैसे और किन माध्यमों से तैयार किए गए।

राज्य सरकार ने कहा है कि सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अवैध रूप से पाए जाने वाले लोगों को कानूनी प्रक्रिया के तहत देश से वापस भेजा जाएगा। इस पूरे अभियान में तकनीकी इनपुट और खुफिया जानकारी का इस्तेमाल किया जा रहा है।

अधिकारियों के मुताबिक यह कार्रवाई अवैध प्रवासियों और उनसे जुड़े नेटवर्क को खत्म करने के उद्देश्य से की जा रही है। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है और आगे और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी का जंतर-मंतर पर प्रदर्शन छह जून को

यूनिक समय, नई दिल्ली। सोशल मीडिया से शुरू हुई कॉकरोच जनता पार्टी अब सड़क पर आंदोलन की तैयारी में है। संगठन ने घोषणा की है कि 6 जून को दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के पेपर लीक और परीक्षा गड़बड़ियों के मुद्दे को लेकर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस प्रदर्शन में कई सामाजिक कार्यकर्ताओं और चर्चित हस्तियों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार, अभिनेता प्रकाश राज के इस प्रदर्शन में शामिल होने की चर्चा तेज है। बताया जा रहा है कि उन्होंने पहले भी इस आंदोलन का समर्थन किया है और सोशल मीडिया पर छात्रों के मुद्दों को लेकर सरकार पर सवाल उठाते रहे हैं।

पटना में कोचिंग विवाद में बड़ा खुलासा

खान सर के दो गार्ड गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। पटना के मुसल्लहपुर हाट इलाके में स्थित खान ग्लोबल स्टडीज और ज्ञान बिंदू कोचिंग के बीच हुए विवाद ने अब गंभीर रूप ले लिया है। फायरिंग की घटना के बाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खान सर की कोचिंग से जुड़े दो गार्डों को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई वायरल वीडियो सामने आने के बाद की गई, जिसमें कथित तौर पर एक व्यक्ति को हथियार लोड कर फायरिंग करते हुए देखा गया। यह विवाद 2 जून की रात शुरू हुआ था, जब दोनों कोचिंग संस्थानों के बीच कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया। इस दौरान तोड़फोड़ और पथराव की घटनाएं भी सामने आईं। घटना के बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ,

फायरिंग मामले में पुलिस ने की कार्रवाई तेज

वायरल वीडियो से बढ़ा मामला, जांच जारी

जिसने मामले को और गंभीर बना दिया। खान सर ने शुरुआती बयान में फायरिंग की पुष्टि करते हुए प्रतिद्वंद्वी संस्थान पर आरोप लगाए थे, लेकिन बाद में उन्होंने अपने बयान को लेकर स्पष्ट किया कि उन्होंने तनावपूर्ण स्थिति में मिली जानकारी साझा की थी। वहीं ज्ञान बिंदू कोचिंग ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। पुलिस ने इस मामले में दोनों पक्षों से जुड़े कई लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी है।

मानसून की दस्तक, बारिश से मिलेगी बड़ी राहत

केरल में आधिकारिक रूप से पहुंचा मानसून

यूनिक समय, नई दिल्ली। देशभर में भीषण गर्मी से राहत की खबर है क्योंकि दक्षिण-पश्चिम मानसून ने गुरुवार को केरल में आधिकारिक दस्तक दे दी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार इस बार मानसून सामान्य तिथि से लगभग तीन दिन की देरी से पहुंचा है, लेकिन आने वाले दिनों में इसके तेजी से आगे बढ़ने की संभावना है।

केरल के अलाप्पुझा, कोट्टायम और एर्नाकुलम जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जहां भारी बारिश के साथ

तेज हवाएं चलने का अनुमान है।

मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक राज्य में लगातार भारी वर्षा की चेतावनी दी है। विशेषज्ञों के अनुसार मानसून अब धीरे-धीरे उत्तर भारत की ओर बढ़ेगा और अगले 2-4 दिनों में

कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी

उत्तर प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा में बारिश शुरू हो सकती है। इससे तापमान में गिरावट और गर्मी से राहत मिलेगी। मौसम वैज्ञानिकों ने मानसून में देरी का कारण समुद्री तूफान और चक्रवाती परिसंचरण बताया है। वहीं अल नीनो की स्थिति भी मानसून को प्रभावित कर सकती है।

आसाराम को हाईकोर्ट से इलाज के लिए राहत

यूनिक समय, नई दिल्ली। यौन उत्पीड़न मामले में जोधपुर सेंट्रल जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट से राहत मिली है। कोर्ट ने उनके बिगड़ते स्वास्थ्य को देखते हुए जेल प्रशासन को उचित और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा गया है कि जरूरत पड़ने पर उन्हें आयुर्वेद अस्पताल में इलाज की अनुमति भी दी जा सकती है। यह आदेश जस्टिस संजीत पुरोहित की बेंच ने सुनाया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जेल में बंद सभी कैदियों को मूलभूत स्वास्थ्य सुविधाएं देना अनिवार्य है। आसाराम की ओर से पेश वकीलों ने दलील दी कि उनकी तबीयत लगातार खराब हो रही है और तत्काल विशेष इलाज की आवश्यकता है। इससे पहले कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा था कि क्या पुराने आदेशों का सही पालन हो रहा है, जिसमें दवाइयों और घर के बने भोजन जैसी सुविधाओं की अनुमति दी गई थी। हाल ही में तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती भी कराया गया था, जिसके बाद उनकी स्थिति में सुधार बताया गया। हालांकि कोर्ट ने स्वास्थ्य आधार पर दी गई अंतरिम जमानत बढ़ाने से इनकार कर दिया था, लेकिन अब नए आदेश में केवल चिकित्सा सुविधाओं पर जोर दिया गया है।

गोवर्धन रोड पर अवैध कॉलोनियों में चला विप्रा का बुलडोजर

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन रोड पर नियमों को ताक पर रखकर विकसित की जा रही दो अवैध कॉलोनियों पर गुरुवार को विकास प्राधिकरण का बुलडोजर चल गया। लंबे समय तक नोटिस और सुनवाई के अवसर देने के बावजूद निर्माणकर्ता सामने नहीं आए, जिसके बाद प्राधिकरण ने सख्त कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचकर अवैध विकास कार्य ध्वस्त करा दिए।

गोवर्धन रोड पर अवैध कॉलोनियों का ध्वस्तीकरण करती जेसीबी।

सुनवाई में नहीं पहुंचे कॉलोनाइजर, 30 हजार वर्गमीटर में किया अवैध कब्जा

प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार, रजवाहे से करीब 100 मीटर पहले गोवर्धन रोड पर लगभग 20 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में कच्ची सड़क बनाकर कॉलोनी विकसित की जा रही थी। इस मामले में कई बार सुनवाई की तारीखें तय की गईं, लेकिन संबंधित लोग उपस्थित नहीं हुए। इसके बाद अप्रैल में ध्वस्तीकरण आदेश जारी कर दिए गए। इसी तरह एकता गौशाला के सामने हाइटेंशन लाइन के नीचे करीब 10 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में मिट्टी डालकर सड़क बनाई गई और कॉलोनी बसाने की तैयारी की जा रही थी। इस मामले में भी संबंधित व्यक्ति सुनवाई में नहीं पहुंचा, जिसके चलते प्राधिकरण ने ध्वस्तीकरण का आदेश पारित किया था। आदेश के बावजूद अवैध निर्माण नहीं हटाए जाने पर गुरुवार को प्राधिकरण की टीम भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और दोनों स्थानों पर चल रहे विकास कार्यों को ध्वस्त कर दिया। प्राधिकरण अधिकारियों ने कहा कि बिना स्वीकृति कॉलोनियां विकसित करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी। कार्रवाई के दौरान थाना गोवर्धन पुलिस और प्राधिकरण का प्रवर्तन दल मौजूद रहा।

हर शनिवार सजेगी मस्ती की पाठशाला

परिषदीय विद्यालयों में होगी खेल-गीत के जरिए होगी पढ़ाई

यूनिक समय, मथुरा। बेसिक शिक्षा परिषद के अधीन संचालित परिषदीय विद्यालयों में नए शैक्षणिक सत्र से हर शनिवार 'मस्ती की पाठशाला' सजेगी। विभाग की ओर से जारी वार्षिक शैक्षिक कैलेंडर में बच्चों की पढ़ाई को रोचक, आनंददायक और तनावमुक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया है।

जिले के 1536 परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत करीब 1.37लाख छात्र-छात्राओं को अब खेल, कहानी, चित्रकला, संगीत, समूह चर्चा और अन्य रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से सीखने का अवसर मिलेगा। नए कैलेंडर के अनुसार, प्रत्येक शनिवार को विद्यालयों में मनोरंजक- शैक्षिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, जबकि हर महीने के अंतिम शनिवार को बाल मनोविज्ञान आधारित विशेष कार्यक्रम संचालित होंगे। विभाग ने 50 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए विशेष अतिरिक्त कक्षाओं की भी व्यवस्था की है। इन कक्षाओं में बच्चों की बुनियादी शैक्षिक अवधारणाओं को मजबूत करने पर ध्यान दिया जाएगा, ताकि वे अन्य विद्यार्थियों के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ सकें। इसके अलावा विद्यालयों में प्रत्येक सप्ताह 'रीडिंग डे' मनाया जाएगा।

इस दौरान बच्चों को पुस्तकालय में समय देकर विभिन्न प्रकार की पुस्तकों के अध्ययन के लिए प्रेरित किया जाएगा। विभाग का मानना है कि इससे विद्यार्थियों की भाषा दक्षता, कल्पनाशक्ति और मानसिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। बीएसए रतन कीर्ति ने बताया कि नए शैक्षिक कैलेंडर का उद्देश्य बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि विकसित करना और उनकी रचनात्मक प्रतिभा को निखारना है। सभी विद्यालयों को नए सत्र से इस व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

बालिकाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखा रही टीम सेवार्थ

सेवार्थ टीम के बैनर तले गांधी पार्क में लगाए मार्शल आर्ट समर कैंप में आत्म रक्षा के गुर का प्रशिक्षण लेती बालिकाएं।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। गांधी पार्क में सायं के वक्त का नजारा अलग होता है। यहां मार्शल आर्ट समर कैंप में सात से 15 वर्ष कीबालिकाएं आत्म रक्षा का निशुल्क प्रशिक्षण ले रही हैं।

टीम सेवार्थ ने बालिकाओं को आत्म रक्षा का प्रशिक्षण देने के लिए एक महीने का मार्शल आर्ट समर कैंप लगाया है। इसमें लगभग 210 बालिकाएं आत्मरक्षा के विभिन्न हुनर जैसे जूडो, कराटे और कुंगफू का प्रशिक्षण ले रही है। भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी सलोनी गौतम, डॉ. ऐश्वर्या गुप्ता, नेहा यादव और डॉ. दीपशिखा इंजीनियर ने कहा कि आज के समय में आत्मरक्षा के हुनर सीखना बहुत जरूरी है। बताया कि ऐसे ऐसे कार्यक्रा बच्चों को शारीरिक फिटनेस प्रदान करते हैं।

पार्षद वैभव अग्रवाल ने बताया कि बदलते समय में बालिकाओं का आत्म रक्षार्थ के गुर सीखना जरुरी है। कैंप में नेहा यादव, गोविंद खंडेलवाल, मोहन शर्मा, गोपाल खंडेलवाल, विश्वनाथ गौतम, कृष्णमुरारी अग्रवाल, प्यारे सैनी, प्रशांत वार्ष्णेय, गिरधर खंडेलवाल, कौशल श्रीवास्तव और जितेंद्र ठाकुर आदि का भी सहयोग मिल रहा है।

पर्यावरण के प्रति अधिक जागरूक होने का आह्वान

ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र पर आयोजित कार्यक्रम में नायब तहसीलदार शिवशंकर पटेल और अन्य।

यूनिक समय, छाता। विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर आज प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के सेवा केंद्र पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए विशेष पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 'वृक्ष है तो जीवन है' के मूल मंत्र को चरितार्थ करते हुए परिसर में विभिन्न प्रकार के छायादार- फलदार पौधे रोपे गए।

वक्ताओं ने पर्यावरण की बिगड़ती स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की। मुख्य अतिथि नायब तहसीलदार शिव शंकर पटेल ने कहा कि वर्तमान समय में ग्लोबल वार्मिंग जैसी वैश्विक समस्याओं से निपटने का एकमात्र समाधान अधिक से अधिक पौधे लगाना और पर्यावरण के प्रति जागरूक होना है। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से अपील की कि वे न केवल पौधे लगाएं, बल्कि उनके संरक्षण की जिम्मेदारी भी उठाएं। सेवाकेंद्र की संचालिका ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन के आधार हैं। अंधाधुंध वृक्षों की कटाई ने प्रकृति का संतुलन बिगाड़ दिया है। यदि हमें आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य देना है, तो हमें 'वृक्ष बचाओ, जीवन बचाओ' के संकल्प को अपने जीवन का हिस्सा बनाना होगा।

दबंगों ने पैसे लेकर भी नहीं किया बैनामा

यूनिक समय, मथुरा। थाना छाता के नगला नरी सैमरी गांव में जमीन के बैनामे के लाखों रुपये हड़पने और विरोध करने पर दबंगों ने पीड़ित के घर में घुसकर तोड़फोड़ और पथराव किया। पीड़ित का आरोप है कि दबंगों ने पुलिस सांठगांठ कर मुकदमे से आरोपियों के नाम और गंभीर धाराएं तक हटवा दी हैं।

गुरुवार को पीड़ित चंद्रपाल ने एसएसपी कार्यालय पहुंचकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराए जाने की गुहार लगाई। चंद्रपाल ने बताया कि उन्होंने गांव के ही कुछ रसूखदार और दबंगों को जमीन बैनामे के लिए पैसे दिए थे। आरोपी न तो जमीन उनके नाम कर रहे हैं और न ही पैसे वापस कर रहे हैं। इस धोखाधड़ी के खिलाफ जब उसने आवाज उठाई तो 27 मई को दबंगों ने लाठी-डंडों से लैस होकर उसके घर पर धावा बोल दिया। उस समय भाई कन्हैया घर पर अकेला था। हमलावरों ने छत पर चढ़कर पथराव किया और मुख्य दरवाजा तोड़कर अंदर घुस गए। आंगन में खड़े ट्रैक्टर को क्षतिग्रस्त कर दिया और पानी की पाइपलाइन भी तोड़ दी। हमलावरों के खिलाफ चौथ वसूली सहित कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था। लेकिन स्थानीय पुलिस से इन लोगो ने सांठगांठ कर विवेचना के नाम पर मुख्य आरोपियों के नाम निकालने के साथ-साथ गंभीर धाराएं भी हटवा दी।

निजामुद्दीन से नांदेड़ तक चलेगी स्पेशल ट्रेन

यूनिक समय, मथुरा। दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन से नांदेड़ तक ट्रेन संख्या 07621 ट्रेन का संचालन शनिवार से शुरू हो जाएगा। ये ट्रेन निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से चलकर रात 10:55 बजे मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर पहुंचेगी। दो मिनट के ठहराव के बाद ट्रेन गंतव्य के लिए रवाना होगी। रविवार को ट्रेन संख्या 7622 नांदेड़ से चलकर सुबह 10 बजे जंक्शन रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। स्टेशन निदेशक सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि हजरत निजामुद्दीन से नांदेड़ के लिए शनिवार से स्पेशल ट्रेन का संचालन शुरू हो जाएगा।

राधारानी सेवा समिति ने निकाली आमंत्रण यात्रा

यूनिक समय, राया। श्री राधारानी सेवा समिति के बैनर तले सात जून को 124 वीं मासिक पदयात्रा का 12 वां वार्षिकोत्सव मनाने के लिए गुरुवार सायं आमंत्रण यात्रा निकाली गयी। आमंत्रण यात्रा का समापन सादाबाद मार्ग पर समापन हुआ। इस अबसर पर पवन गोयल, भूपेश अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, रामचरन कुशवाह, कैलाश अग्रवाल, सुनील कुमार, पवन अग्रवाल, धर्मेश अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, प्रभात अग्रवाल, जयप्रकाश पाठक और प्रदीप अग्रवाल, बिटू अग्रवाल आदि मौजूद थे।

लखनऊ में बनेगा भाजपा का आधुनिक प्रदेश मुख्यालय

तीन बिल्डर समूहों को पीछे छोड़ भाजपा ने 45 करोड़ रुपये में खरीदा भूखंड

यूनिक समय, लखनऊ। राजधानी लखनऊ में भाजपा का आधुनिक प्रदेश मुख्यालय इसी साल आकार लेगा। पार्टी ने राजधानी में आनलाइन बोली के दौरान तीन बिल्डर समूहों को पीछे छोड़ते हुए 55 सौ वर्ग मीटर का भूखंड 45 करोड़ रुपये मे खरीदा है, जिस पर आधुनिक मुख्यालय बनाने की योजना है। यह जमीन जियामऊक्षेत्र में स्थित है।

55 सौ वर्ग मीटर के इस भूखंड के लिए लखनऊ विकस प्राधिकरण ने नीलामी की थी, जिसमें तीन बड़े बिल्डर समूहों के साथ भाजपा भी शामिल हुई थी। प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया में भाजपा ने अंतिम दौर तक बढ़त बनाए रखी और 45 करोड़ रुपये की बोली लगाकर जमीन हासिल कर ली। गौरतलब है कि एलडीए ने यह भूखंड हाल ही में लखनऊ नगर निगम से लगभग 29 करोड़ रुपये में खरीदा था। एक महीने के भीतर हुई इस नीलामी से प्राधिकरण को करीब 16 से 19 करोड़ रुपये तक का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हुआ है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, इस भूखंड पर भाजपा का भव्य और आधुनिक प्रदेश मुख्यालय बनाया जाएगा। प्रस्तावित भवन छह मंजिला होगा, जिसमें संगठनात्मक कार्यालयों के साथ-साथ बैठक कक्ष, सम्मेलन हॉल और मीडिया से जुड़े अत्याधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। सबसे ऊपरी मंजिल पर हेलीपैड बनाए जाने की भी योजना पर विचार किया जा रहा है, ताकि राष्ट्रीय स्तर के नेताओं की आवाजाही और कार्यक्रमों का संचालन सुगम हो सके। यह भूखंड पहले नगर निगम द्वारा दीनदयाल उपाध्याय सेवा न्यास को 90 वर्ष की लीज पर आवंटित किया गया था। वर्ष 2020 में करीब 5500 वर्गमीटर जमीन इस न्यास को दी गई थी, जिसे बाद में फ्रीहोल्ड करने की प्रक्रिया भी आगे बढ़ी थी। हालांकि, सातअप्रैल को न्यास की ओर से बजट संबंधी कारणों का हवाला देते हुए नगर निगम को जमीन वापस करने का पत्र भेजा गया, जिसके बाद पूरी योजना में बड़ा बदलाव आ गया और मामला एलडीए के पास पहुंच गया। एलडीए ने इस भूखंड को डीएम सर्किल रेट के दोगुने मूल्य पर अपने अधीन लिया। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार की ओर से नगर आयुक्त को इस संबंध में पत्र भेजा गया था, जिसके बाद नगर निगम सदन ने भी इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इसके बाद प्राधिकरण ने पारदर्शिता बनाए रखने के लिए जमीन को प्रत्यक्ष हस्तांतरण की बजाय नीलामी प्रक्रिया के जरिए बेचने का निर्णय लिया। एलडीए द्वारा अपनाई गई खुली नीलामी प्रक्रिया से राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 29 करोड़ रुपये में खरीदी गई जमीन 45 करोड़ रुपये में बिकने से प्राधिकरण को करोड़ों रुपये का अतिरिक्त लाभ मिला। अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की पारदर्शी प्रक्रिया भविष्य में किसी भी प्रकार के कानूनी या प्रशासनिक विवाद की संभावना को भी कम करती है।

शेरगढ़ में हुई भाजपा बैठक आगामी कार्यक्रमों पर मंथन

शेरगढ़ में आयोजित बैठक में मौजूद भाजपा कार्यकर्ता।

यूनिक समय, मथुरा। शेरगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की संगठन को मजबूत बनाने के लिए बैठक हुई। भाजपा जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय ने कार्यकर्ताओं को संगठन के आगामी कार्यक्रमों और चुनावी तैयारियों के संबंध में दिशा-निर्देश दिए।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि पार्टी की मजबूती का आधार बूथ स्तर का संगठन होता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथों पर सक्रियता बढ़ाने, संगठनात्मक कार्यक्रमों को सफल बनाने और केंद्र-प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया।

इस दौरान वीरचंद, रणवीर, रिंकू प्रधान, कपिल चेयरमैन, रामवीर प्रधान, बांकेलाल गर्ग, डॉ. योगेश सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी-कार्यकर्ता मौजूद रहे।